संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

■ वर्ष -17 ■ अंक-154 ■ रायपुर, रविवार 01 नवंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : सप्तमी
नक्षत्र : पुष्य
प्रथम करण : बावा
द्वितीय करण : बालवा
पक्ष : कृष्ण
वार : रविवार
योग : साध्य
सूर्योदय : 06:36
सूर्यास्त : 17:32
चंद्रमा : कर्क राशि में
राहुकाल : 16:10 - 17:32
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : कार्तिक
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:42 - 12:26

जूता फैक्ट्री में भीषण आग, 4 की मौत, 2 झुलसे

नई दिल्ली: दिल्ली के मंगोलपुरी इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-1 में स्थित एक जूता फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात भीषण आग लग गई। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 अन्य झुलस गए। सभी 6 लोगों को संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 4 लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि 2 घायलों का इलाज चल रहा है। डीसीपी विक्रम सिंह के अनुसार, आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत अपने स्टाफ और एक टीम को मौके पर भेजा। पुलिसकर्मी सबसे पहले वहां पहुंचे और दमकल गाड़ियों के आते ही बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। डीसीपी ने बताया कि आग बुझाने और बचाव का काम काफी देर तक चलता रहा और अभी भी जारी है। हालात पर नजर रखने के लिए रात भर मौके पर पुलिस बल तैनात रहा। आग लगने के कारणों और घटना से जुड़ी अन्य जानकारियों का अभी इंतजार है। दिल्ली फायर सर्विस ने एक बयान में बताया कि फैक्ट्री से कुल 6 लोगों को बेहोशी की हालत में बाहर निकाला गया और इलाज के लिए संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया। वहां पहुंचने पर 4 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि 2 अन्य का इलाज चल रहा है।

दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस की मेगा रैली, लग सकता है ट्रैफिक जाम

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को INDI गठबंधन की रैली होने वाली है। ऐसे में रैली को देखते हुए दिल्ली के कुछ हिस्सों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, ट्रैफिक की स्थिति को देखते हुए मध्य दिल्ली के प्रमुख चौराहों और पॉइंट्स पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया जाएगा।

इनमें नेताजी सुभाष मार्ग टी-पॉइंट, राजघाट, दिल्ली गेट, आईटीओ ए-पॉइंट, अजमेरी गेट रेड लाइट, रणजीत सिंह फ्लाईओवर, झंडेवालान गोलचक्कर, तुर्कमान गेट और मीरदर्द चौक शामिल हैं। यात्रियों को बहादुर शाह जफर मार्ग (आईटीओ और दिल्ली गेट के बीच), जवाहरलाल नेहरू मार्ग (राजघाट और अजमेरी गेट के बीच), अरुणा आसफ अली रोड, मिंटो रोड, देश बंधु गुप्ता रोड और बाराखंभा रोड के साथ-साथ कमला मार्केट और हमदर्द चौक के आसपास के इलाकों में ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ सकता है।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026: संस्कृति का गौरव, समृद्धि का संकल्प और विकास का उत्सव

'सशक्त नारी, युवा उड़ान' की थीम पर नवा रायपुर में 1 से 3 नवंबर तक दिखेगी छत्तीसगढ़ की विरासत और विकास की झलक

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया होंगे शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि

समापन कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के होंगे मुख्य अतिथि

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ की माटी की महक, लोकजीवन के रंग और विकास की उपलब्धियां 'छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026' में एक साथ जीवंत होंगी। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 1 से 3 नवंबर तक नवा रायपुर अटल नगर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर, मेला ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव प्रदेश की समृद्ध विरासत, जनसामर्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के संकल्प को समर्पित होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में इस वर्ष राज्योत्सव की थीम ''सशक्त नारी, युवा उड़ान'' रखी गई है। विभागीय विकास प्रदर्शनियां, लोककला एवं शिल्प, राष्ट्रीय कलाकारों की प्रस्तुतियां और भारतीय वायुसेना की सारंग टीम का रोमांचक एयर शो आयोजन के प्रमुख आकर्षण होंगे।

राज्योत्सव के शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री श्री मनसुख मांडविया होंगे। दूसरे दिन 2 नवंबर को आयोजित कार्यक्रम राज्यपाल श्री रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में होगा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह 3 नवंबर को समापन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में भी 2 नवंबर को राज्योत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ था। राज्योत्सव उनके ऐतिहासिक योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और राज्य निर्माण से जुड़ी जनआकांक्षाओं को सम्मान देने का अवसर होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में छत्तीसगढ़ की भूमिका और संभावनाओं को भी आयोजन में रेखांकित किया जाएगा। महिलाओं के सशक्तिकरण और युवाओं की प्रतिभा, ऊर्जा तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने का संदेश राज्योत्सव की थीम को सार्थक बनाएगा।

राज्य स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन नवा रायपुर अटल नगर के ग्राम तूता स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर, मेला ग्राउंड में होगा। यहां विभिन्न विभागों की विकास प्रदर्शनियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, शिल्पग्राम और अन्य गतिविधियों के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और विकास यात्रा को प्रस्तुत किया जाएगा।

विभागीय प्रदर्शनियों में शासन की प्रमुख योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और विकास कार्यों की उपलब्धियों की झलक मिलेगी। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, मानव पूंजी विकास, विकसित भारत और अंजोर छत्तीसगढ़ मिशन जैसे विषयों पर केंद्रित प्रदर्शनियां प्रदेश की प्रगति और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराएंगी। शिल्पग्राम में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कला, शिल्प और कारीगरों के हुनर के विविध रूप देखने को मिलेंगे। राज्योत्सव के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा 40 राज्य स्तरीय अलंकरण एवं पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

राज्योत्सव का विशेष आकर्षण 2 नवंबर को सुबह 11 बजे से नवा रायपुर के सेंध लेक क्षेत्र में भारतीय वायुसेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम का एयर शो होगा। पांच स्वदेशी 'धुरव' हेलीकॉप्टरों के साथ टीम के पायलट सामूहिक उड़ान भरकर आकर्षक हवाई संरचनाओं और साहसिक करतबों का प्रदर्शन करेंगे। मोर से प्रेरित रंग-सज्जा वाले हेलीकॉप्टरों की उड़ान और उनका सटीक तालमेल दर्शकों को रोमांचित करेगा।

मुख्यमंत्री साय ने स्वर्गीय विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा को दी अंतिम विदाई

रायपुर ■ दैनन्दिनी



मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज बालोद जिले के ग्राम भेंडरा पहुंचे, जहां उन्होंने अहिवारा विधायक स्वर्गीय श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री श्री साय उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए और उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वर्गीय श्री कोर्सेवाड़ा के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि उनका निधन पूरे क्षेत्र की जनता और व्यक्तिगत रूप से उनके लिए अत्यंत पीड़ादायक है। स्वर्गीय श्री कोर्सेवाड़ा का सरल व्यक्तित्व, आत्मीय व्यवहार और जनसेवा के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय एकीकरण के महान शिल्पकार थे सरदार पटेल : साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज यहाँ सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास में भारत रत्न, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय एकीकरण में सरदार पटेल के ऐतिहासिक योगदान का स्मरण करते हुए उन्हें कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल भारतीय एकता और अखंडता के महान शिल्पकार थे। उन्होंने अपने अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और कुशल नेतृत्व से स्वतंत्रता के बाद देश की सैकड़ों रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर एक सशक्त और अखंड भारत की नींव रखी। राष्ट्र निर्माण में उनका यह असाधारण योगदान भारतीय इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरदार पटेल का संपूर्ण जीवन राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और देश की एकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनका व्यक्तित्व हमें सिखाता है कि दृढ़ संकल्प, सामूहिक प्रयास और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण से बड़ी से बड़ी चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरदार पटेल के एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। आज देश विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता के नए आयाम स्थापित करते हुए विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है। सरदार पटेल के विचार और आदर्श इस राष्ट्रीय संकल्प को और अधिक सशक्त बनाते हैं।

नक्सली कमांडर ने जंगल में छिपाया था 21 लाख रुपए, निकालने पहुंचे आत्मसमर्पित माओवादी, तीन आरोपी गिरफ्तार



गरियाबंद ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले से नक्सल गतिविधियों को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। मैनपुर थाना क्षेत्र के राजाडेरा जंगल में जमीन के अंदर छिपाकर रखे गए 21 लाख रुपये नगद डंप को निकालने पहुंचे दो महिला सरेंडर नक्सलियों सहित तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, बरामद रकम नक्सलियों द्वारा ठेकेदारों और आम नागरिकों को डराकर अवैध वसूली से जुटाई गई थी। चौंकाने वाली बात यह है कि दोनों महिला नक्सलियों ने शासन की पुनर्वास नीति के तहत सरेंडर किया था, लेकिन पुलिस के अनुसार उनका मकसद नक्सली संगठन के लिए छिपाई गई रकम वापस निकालना था।

दरअसल, मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर मैनपुर पुलिस ने राजाडेरा पहाड़ी के पास घेराबंदी की। इसी दौरान जंगल से बैग लेकर लौट रहे संदिग्धों ने पुलिस को देखकर छिपने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तीनों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान एक काले रंग के बैग से टिफिन में रखे 500-500 रुपये के नोटों के बंडल मिले। कुल 21 लाख रुपये नगद बरामद किए गए। इसके अलावा तीन मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में सिंगे उर्फ रोशनी, निवासी ग्राम गामगुलावर जिला सुकमा शामिल है, जो नक्सली कमांडर चलपति की गार्ड रह चुकी है। दूसरी आरोपी बुधरी मुचाकी उर्फ बुदरी उर्फ सोनी, निवासी एटेगट्टा जिला सुकमा है, जो सीनापाली दलम की पूर्व कमांडर बताई गई है। वहीं तीसरा आरोपी नोहर मरकाम, निवासी ग्राम भुतबेड़ा थाना मैनपुर है, जिसे नक्सलियों का सहयोगी बताया गया है।

संस्कारधानी स्ट्राइकर्स छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले फाइनलिस्ट बने

कृषि मंत्री रामविचार नेताम भी पहला सेमीफाइनल देखने स्टेडियम पहुंचे थे

रायपुर ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का पहला सेमीफाइनल मुकाबला पूरे टूर्नामेंट के सबसे बेहतरीन मैचों में से एक रहा। आज खेले गए पहले सेमीफाइनल में संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने न्यायधानी नाइट्स को 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। दोनों टीमों ने शानदार कौशल का प्रदर्शन किया और कोई भी टीम पीछे हटने को तैयार नहीं थी। हालांकि कमजोर मानी जा रही (अंडरडॉग) संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने अंततः जीत हासिल की। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी श्री श्रेयांश जायसवाल, 'नईदुनिया' के संपादक श्री सतीश चन्द्र श्रीवास्तव, आईबीसी-24 के प्रबंध संपादक श्री विश्वेश ठाकरे, एनटीपीसी के जीएम श्री प्रवीण गर्ग, सारडा के प्लांट हेड श्री मनोज शाह और एसबीआई के मुख्य प्रबंधक श्री गौरव यादव भी पहला सेमीफाइनल देखने स्टेडियम पहुंचे थे। सेमीफाइनल में स्ट्राइकर्स चौथी क्वालीफायर टीम के रूप में पहुंची थी, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी नाइट्स पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर थे। न्यायधानी नाइट्स लीग चरण में एक भी मैच नहीं हारी थी। उन्होंने स्ट्राइकर्स को भी लीग मैच में 5-3 से हराया था।

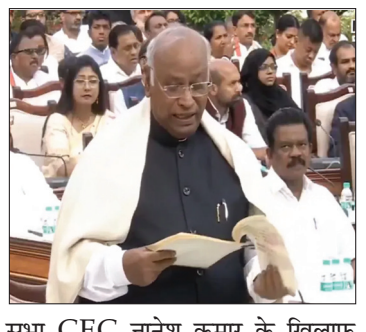
पहले सेमीफाइनल में स्ट्राइकर्स ने पहले क्वार्टर में ही अपना खाता खोल लिया। शाहरुख ने एक शानदार फ्लिक के जरिए गोल किया, जो पोस्ट के दाहिने कोने में जाकर लगा। इसके कुछ ही देर बाद, नाइट्स के आदर्श ने एक फील्ड गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। 15 मिनट पूरे होने से ठीक पहले न्यायधानी नाइट्स को अपना दूसरा गोल मिला। मिडफील्ड से मिली गेंद को चिराग ने स्ट्राइकर्स के सभी डिफेंडरों को छकाते हुए गोल में बदल दिया।

दूसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमों ने उसी गति से खेलना जारी रखा, और इस दौरान गोलों की झड़ी लग गई। आशीष तानी पूर्ति ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए लीग में अपना 13वां गोल किया और सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। इसके कुछ देर बाद, 24वें मिनट में अरबाज अली ने शानदार खेल दिखाते हुए अपना पहला गोल किया।

मॉक संसद में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा

'नागरिकों के वोट का अधिकार गंभीर खतरे में'

नई दिल्ली ■ एजेंसी



मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया गठबंधन के सिंबॉलिक पब्लिक इंपीचमेंट प्रोग्राम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि नागरिकों के वोट का अधिकार गंभीर खतरे में है। उन्होंने मांग की है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाया जाए। मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने संबोधन में सरकार के साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त पर भी जमकर हमला बोला।

खरगे के संबोधन से पहली लोकसभा की पूर्व स्पीकर मीरा कुमार ने इसकी अध्यक्षता करते हुए कहा कि आज ये सभा CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जन-महाभियोग की कार्यवाही के लिए बुलाई गई है। देश के करोड़ों लोगों के नाम अनुचित तरीके से मतदाता सूची से काटे जा रहे हैं, वहीं इस बारे में सवाल पूछने पर कोई जवाबदेही तय नहीं की जाती। इसलिए INDIA गठबंधन द्वारा तय किया गया कि एक सभा बुलाकर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जन-महाभियोग लाया जाए और उन्हें पद से हटा दिया जाए। इसके बाद उन्होंने कहा कि इस जन-महाभियोग का प्रस्ताव राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सदन के सामने रखेंगे और अपना वक्तव्य देंगे।

वोट का अधिकार आम आदमी की सबसे बड़ी ताकत

मल्लिकार्जुन खरगे ने संबोधन के शुरुआत में सरदार पटेल और इंदिरा गांधी को याद किया। इसके बाद उन्होंने कहा कि नागरिकों के वोट का अधिकार गंभीर खतरे में है। उन्होंने कहा कि वोट का अधिकार आम आदमी की सबसे बड़ी ताकत है। वोट के अधिकार से सरकार बनती है और चलती है। जनता के इस अधिकार को बचाने के लिए हमलोग संघर्ष कर रहे हैं।

उन्होंने कहा- आज मैं देश के पहले उपप्रधानमंत्री सरदार पटेल जी की 151वीं जयंती और देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। ये दोनों ही महान राष्ट्रनिर्माता स्वतंत्रता सेनानी और कांग्रेस के अध्यक्ष रहे थे। इंदिरा गांधी जी को अपनी मृत्यु से पहले बहुत सी बातों का आभास हो चुका था।

शिमला में दर्दनाक हादसा, खाई में वाहन गिरने से 5 लोगों की मौत



शिमला: टिक्कर नावर क्षेत्र के दरोटी गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई गई है। मृतकों में एक मां और उसका बेटा भी शामिल हैं, जबकि तीन अन्य नेपाल की रहने वाली मजदूर थीं। मृतकों की पहचान कुशल पुत्र प्रमोद एवं उनकी माता कल्पना देवी पत्नी प्रमोद, निवासी दरोटी गांव, सहित तीन नेपाली नागरिकों के रूप में हुई है। वहीं, एक नेपाली मजदूर गंभीर रूप से घायल हुआ है। फिलहाल घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीएम सुक्खू ने हादसे पर दुख जताया है। पुलिस ने बताया कि शनिवार को यहां एक वाहन के खाई में गिर जाने से 5 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक व्यक्ति और उसकी मां शामिल हैं। इस हादसे में एक अन्य व्यक्ति घायल भी हुआ है। यह हादसा डरोटी इलाके में पानू नाले के पास हुआ, जब एक व्यक्ति अपनी मां और कुछ मजदूरों को अपने खेत में काम पर ले जा रहा था।

संजय गुप्ता की आखिरी पोस्ट ने किया भावुक मौत से 10 दिन पहले बेटी की तस्वीर की थी पोस्ट

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म निर्माता संजय गुप्ता का शनिवार को 59 साल की उम्र में निधन हो गया। 'कांटे', 'शूटआउट एट लोखंडवाला' और 'जिंदा' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर संजय गुप्ता के निधन से फिल्म इंडस्ट्री में मातम पसरा हुआ है, क्योंकि वे अभी तक पूरी तरह से ठीक थे। अब संजय गुप्ता की मौत के बाद उनका आखिरी पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। उनके निधन से 10 दिन पहले किए गए उनके आखिरी सोशल मीडिया पोस्ट में उनकी बेटी डलिया के साथ बिताए गए उनके यादगार और खूबसूरत पलों की झलक देखने को मिली।



संजय गुप्ता का आखिरी सोशल मीडिया पोस्ट

X (पहले ट्विटर) पर शेयर की गई इस पोस्ट में संजय गुप्ता की बेटी डलिया लेगो सेट बनाते हुए दिखाई दे रही है। तस्वीर में दिख रहा था कि दोनों ने मिलकर एक बहुत बड़ा लेगो बिल्डिंग सेट तैयार किया है। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'मेरी डाइनिंग टेबल पर अब तक का सबसे बड़ा लेगो सेट बन रहा है। कमाल है!!!' बता दें कि संजय गुप्ता के परिवार में उनकी पत्नी अनुराधा गुप्ता और दो बच्चे - शिवांश गुप्ता और डलिया गुप्ता हैं।

संजय गुप्ता का 59 की उम्र में निधन

संजय गुप्ता का 59 वर्ष की आयु में निधन हो गया। फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने सोशल मीडिया पर इस खबर की पुष्टि की और बताया कि घर पर संजय गुप्ता के सिर में चोट लग गई थी। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में अशोक पंडित ने लिखा, 'यह खबर बेहद दुखद और चौंकाने वाली है। अभी-अभी हमें अपने प्यारे दोस्त और बेहतरीन निर्देशक संजय गुप्ता के निधन की खबर मिली। घर पर सिर में चोट लगने के कारण उनका निधन हो गया। एक और प्रतिभाशाली शख्स हमें बहुत जल्दी छोड़कर चला गया। वह एक शानदार कहानीकार, जिंदादिल इंसान और जुनूनी फिल्ममेकर थे। यह हमारी फिल्म इंडस्ट्री के लिए बहुत बड़ी क्षति है। मेरे दोस्त, तुम्हारी बहुत याद आएगी। उनके परिवार और करीबियों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ॐ शांति। उनके अंतिम संस्कार से जुड़ी जानकारी जल्द ही साझा की जाएगी।'

संजय गुप्ता का फिल्मी करियर

1967 में मुंबई में जन्मे संजय गुप्ता ने 1994 में फिल्म 'आतिशः फील द फायर' से निर्देशन की दुनिया में कदम रखा। इस फिल्म में संजय दत्त और आदित्य पंचोली मुख्य भूमिकाओं में थे। उन्होंने अपराध, गैंगस्टरों और मुंबई अंडरवर्ल्ड पर आधारित फिल्में बनाकर अपनी एक अलग पहचान बनाई। उनकी यादगार फिल्मों में 'राम शास्त्र', 'खौफ', 'जंग', 'कांटे', 'मुसाफिर', 'जिंदा', 'शूटआउट एट लोखंडवाला', 'शूटआउट एट वडाला', 'जज्बा', 'काबिल' और 'मुंबई सागा' शामिल हैं। उन्होंने 'दस कहानियां' और 'शूटआउट एट लोखंडवाला' जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस भी किया।

संजय गुप्ता चर्चित हिंदी फिल्में

उनकी सबसे चर्चित फिल्मों में से एक 'कांटे' (2002) थी, जिसमें अमिताभ बच्चन, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, महेश मांजरेकर, लकी अली और कुमार गौरव ने काम किया था। यह एक 'हीस्ट थ्रिलर' फिल्म थी, जिसे दर्शकों के बीच एक खास मुकाम मिला। ऋतिक रोशन और यामी गौतम अभिनीत उनकी फिल्म 'काबिल' भी उनकी बड़ी कमर्शियल सफलताओं में से एक रही। उनके निर्देशन में बनी आखिरी फिल्म 'द मिरांडा ब्रदर्स', जिसमें हर्षवर्धन राणे और मीजान जाफरी ने काम किया है। यह फिल्म 2024 में जियो सिनेमा पर रिलीज हुई।

मनोज तिवारी ने मां को दिया अपनी कामयाबी का श्रेय, बताया कैसे बने सुपरस्टार, 'पति पत्नी और पंगा' पर हुए भावुक



मुंबई (एजेंसी)। 'धमाल विद पति-पत्नी और पंगा - जोड़ियों का रियलिटी चेक' में भले ही सारा ध्यान सेलिब्रिटी कपल, उनकी केमिस्ट्री और उनकी प्यारी नोक-झोंक पर होता है, लेकिन 'सास-मां' स्पेशल वीकेंड के एक एपिसोड ने सभी को इमोशनल कर दिया। इस शो में पहली बार भोजपुरी सुपरस्टार और सांसद मनोज तिवारी अपनी मां और दूसरी पत्नी के साथ दिखाई दिए। इस दौरान एक्टर भावुक हो गए और उन्होंने बताया कि उनकी मां के बताए एक गाने ने उनकी किस्मत बदल दी और उन्हें सुपरस्टार बना दिया। हालांकि, जब सोनाली बेंद्रे और मुनव्वर फारूकी ने उनसे गाने को कहा तो मनोज तिवारी की मां ने वो गाना गाया और अर्जुन बिजलानी की पत्नी इमोशनल हो गईं।

मनोज तिवारी ने मां के साथ गाया गाना

मनोज तिवारी की मां ने शो के सेट पर पहुंचकर एपिसोड को और भी खास बना दिया। इसके बाद एक ऐसा गाना गाया गया, जिसने सबका दिल छू लिया। मनोज तिवारी ने अपनी मां के साथ मिलकर वही गाना गाया, जिसने उन्हें एक गायक के तौर पर खास पहचान दिलाई थी। मां-बेटे की इस भावुक प्रस्तुति को देखकर वहां मौजूद सभी लोग भावुक हो गए और उनकी आंखें नम हो गईं। अपने मुश्किल दौर को याद करते हुए, मनोज तिवारी ने 'पति-पत्नी और पंगा 2' में बताया कि उनकी मां ही उनके गाने की गुरु हैं। उन्होंने कहा, 'जब में स्ट्रगल कर रहा था कि मुझे क्या गीत गाना चाहिए तब मां ने मुझे कहा कि तुम ये गीत गाउ। वो एक माता का गीत था। मैंने वो गीत गाया और उसी से सुपरस्टार बन गया।' इस बारे में बात करते हुए मनोज तिवारी कहते हैं, 'पति-पत्नी और पंगा 2 में अपनी मां को अपने साथ पाकर मैं पुरानी यादों में खो गया। मुझे अपनी जिंदगी के वे सभी पड़ाव याद आ गए, जिन्हें उन्होंने करीब से देखा है। 94 साल की उम्र में भी वे मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। चाहे कुछ भी बदल जाए, जब वे मेरे साथ होती हैं तो मुझे लगता है कि मैं पूरी दुनिया का सामना कर सकता हूं। मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात से होती है कि उन्होंने मेरी पत्नी सुरभि को कितने प्यार से अपनाया है और उन दोनों के बीच कितना खूबसूरत रिश्ता है।'

'पंजाबियों को लड़ाई मत सिखाओ', दिल्ली कॉन्सर्ट में दिलजीत दोसांझ ने CJP पर साधा निशाना

मुंबई (एजेंसी)। शुक्रवार रात नई दिल्ली में पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ ने परफॉर्म किया। इस दौरान उन्होंने अपने सुपरहिट गाने गाए और दर्शकों के साथ खूब बातचीत की। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इस कॉन्सर्ट के दौरान उन्होंने अपने बयान 'मैं एक कलाकार हूं, भाई' को लेकर हुए विवाद पर भी इशारों-इशारों में बात की। कुछ महीने पहले इंस्टाग्राम लाइव सेशन के दौरान दिलजीत से दिल्ली में 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के नेतृत्व में हो रहे विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देने के लिए कहा गया था। तब गायक ने कहा था, 'भाई, मुझे इन विरोध प्रदर्शनों और ऐसी चीजों से दूर ही रखो।



मैं एक कलाकार हूं, कोई राजनेता नहीं।' दिलजीत की इस टिप्पणी से CJP के कार्यकर्ता अभिजीत दिपके नाराज हो गए और उन्होंने गायक की आलोचना की।

शुक्रवार, 30 अक्टूबर को दिलजीत दोसांझ ने बिना नाम लिए CJP पर निशाना साधा। बिना किसी का नाम लिए दिलजीत ने कहा, 'मैं आप सभी से प्यार करता हूं, क्योंकि मैं एक कलाकार हूं, भाई। मैं अभी चुप हूं तो मुझे चुप ही रहने दो। मैं आप सभी का समर्थन करता हूं। पंजाबियों को यह मत सिखाओ कि लड़ाइयां कैसे लड़नी हैं।' दिलजीत के कॉन्सर्ट का यह पल वायरल होने के बाद अभिजीत दिपके ने इंस्टाग्राम पर एक नोट लिखा। इसमें उन्होंने गायक के प्रति अपना सम्मान जाहिर किया और उनसे इस बात को यहीं छोड़ देने की गुजारिश करते हुए कहा, 'छोटा भाई समझकर मिट्टी पाओ।'

अभिजीत दिपके ने लिखा, 'पाजी, जून में जब हम विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे तब आपकी टिप्पणी से मुझे थोड़ी ठेस पहुंची।

'भाग्यलक्ष्मी' फेम मायरा मिश्रा बनीं मां, घर आई नन्ही परी, शादी के डेढ़ साल बाद किया बेटी का स्वागत

मुंबई (एजेंसी)। टीवी एक्ट्रेस मायरा मिश्रा और उनके पति राजुल यादव की जिंदगी में नई खुशी ने दस्तक दी है। 'भाग्यलक्ष्मी' फेम एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया है कि उन्होंने एक प्यारी सी बेटी को जन्म दिया है। मायरा मिश्रा ने इंस्टाग्राम पर एक बहुत ही प्यारी सी फोटो शेयर की है, जिसमें उन्होंने अपने हाथों में अपनी बच्ची के पैर पकड़ रखे हैं। फोटो शेयर करते हुए मायरा ने फैंस को अपने मां बनने की गुड न्यूज दी और बताया कि उन्होंने एक बेटी को जन्म दिया है। एक्ट्रेस के इस पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए अब फैंस उन्हें जिंदगी के इस नए चैप्टर की शुरुआत के लिए बधाई दे रहे हैं।

मायरा मिश्रा बनीं मम्मी

मायरा ने फैंस के साथ अपने मां बनने की गुड न्यूज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- 'एक सपना जिसे हमने संजो कर रखा था, अब हमारी बांहों में है। हमारा हमेशा के लिए साथ शुरू हो गया है, और यह एक बेटी है।'

वहीं अभिनेत्री ने जो फोटो शेयर की है उस पर एक सफेद दिल वाले इमोजी के साथ लिखा है- 'बेबी गर्ल का आशीर्वाद मिला है और बहुत सारा प्यार। मायरा और राजुल।' उन्होंने एक इविल आई इमोजी भी बनाया है। जैसे ही मायरा ने ये गुड न्यूज शेयर की, बधाईयों की झड़ी लग गई। मायरा को मनोरंजन जगत के उनके दोस्तों और फैंस ने कमेंट करते हुए मां बनने पर बधाई दी है।



कुछ महीने पहले किया था प्रेग्नेंसी का ऐलान

मायरा मिश्रा ने अगस्त में एक खूबसूरत पोस्ट शेयर करते हुए अपनी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था। उन्होंने अपने प्रेग्नेंसी फोटोशूट की तस्वीरें शेयर करते हुए बताया कि वह अब अपनी लाइफ के एक नए चैप्टर की शुरुआत के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था- 'कुछ राज इतने खूबसूरत होते हैं कि उन्हें छिपाकर नहीं रखा जा सकता।' हमारे सबसे बड़े रोमांच की शुरुआत हो रही है, और हमारे दिल पहले ही हमारी कल्पना से कहीं ज्यादा भर गए हैं। छोटी सी धड़कन ने हमें मुस्कुराने की सबसे बड़ी वजह दी है। बेबी जूनियर जल्दी आ रहा है।'

मायरा मिश्रा और राजुल यादव की शादी

मायरा मिश्रा और राजुल यादव की शादी की बात करें तो दोनों फरवरी 2025 में शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों की पहली मुलाकात 2022 में मुंबई में एक शादी में हुई थी। एक्ट्रेस अपनी एक दोस्त की शादी अटैंड करने पहुंची थीं, जहां राजुल भी मौजूद थे। अगले दिन एक म्यूचुअल फ्रेंड की बर्थडे पार्टी में भी दोनों मिले, जिसके बाद दोनों की दोस्ती हुई और मिलने-जुलने का सिलसिला शुरू हुआ। राजुल जहां दिल्ली में रहते थे तो वहीं मायरा काम के सिलसिले में मुंबई में रहती थीं। ऐसे में अक्सर उन्हें राजुल से मिलने के लिए दिल्ली आना पड़ता था तो कई बार राजुल मुंबई आते थे। आखिरकार 2 साल एक-दूसरे को डेट करने के बाद अप्रैल 2024 में दोनों ने सगाई कर ली और फिर फरवरी 2025 में शादी के बंधन में बंध गए।

सेहत

सेहत के लिए फायदेमंद है जंगलों में मिलने वाला तेंदू फल

गर्मियों के मौसम में तेंदू फल मिलता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस फल में विटामिन ए, विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा मौजूद होती है। इसका मतलब ये है कि तेंदू फल आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। आइए पोषक तत्वों से भरपूर इस मौसमी फल को कंज्यूम करने के तरीके और इसका सेवन करने के कुछ हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।



ऊर्जा और ताकत बढ़ाए- क्या आपको अक्सर कमजोरी और थकान महसूस होती रहती है? अगर हां, तो आप तेंदू फल का सेवन कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि तेंदू फल में मौजूद तत्व शरीर की ऊर्जा और ताकत को बढ़ाने में कारगर साबित हो सकते हैं। हालांकि, बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से ही इस फल को डाइट प्लान में शामिल करना चाहिए।

सेहत के लिए फायदेमंद- फाइबर रिच तेंदू फल आपकी गट हेल्थ पर भी पॉजिटिव असर डाल सकता है। आंखों की रोशनी को बढ़ाने के लिए भी विटामिन ए युक्त इस फल का सेवन किया जा सकता है। इस फल में मौजूद विटामिन सी आपकी इम्यूनिटी को बूस्ट करने में कारगर साबित हो सकता है। तेंदू फल कोलेस्ट्रॉल को कम कर दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करने में भी फायदेमंद साबित हो सकता है।

सेवन करने का तरीका- सबसे पहले तेंदू फल को धो लीजिए और फिर इसके छिलके को हटा दीजिए। इसके बाद आप इस फल के गूदे को खा सकते हैं। पके हुए तेंदू फल का स्वाद कई लोगों को काफी ज्यादा पसंद होता है। सलाद या फिर स्मूदी में भी तेंदू फल को डालकर कंज्यूम किया जा सकता है। ध्यान रहे कि आपको ज्यादा मात्रा में तेंदू फल का सेवन नहीं करना चाहिए वरना आपकी सेहत पर पॉजिटिव की जगह नेगेटिव असर भी पड़ सकता है। **(एजेंसी)**

गहरी नींद का पीनट बटर से है खास कनेक्शन बार-बार नींद टूटती है तो जरूर ट्राई करें

नींद आना आसान लगता है, लेकिन जब आपका दिमाग अचानक रात के 2 बजे ख्यालों में खो जाए, सालों पुरानी बातें या करने लगे, तो वापस नींद में जाना मुश्किल हो जाता है। एक बार नींद टूट जाए तो दोबारा आने में घंटों बीत जाते हैं। बहुत से लोग नींद में खलल, आधी रात को अचानक जागने या घंटों तक जागते रहने जैसी समस्याओं से जूझते हैं। ऐसा होने से न सिर्फ आपकी रात खराब होती है बल्कि अगले दिन सुबह आप खुद को कहीं ज्यादा थका हुआ महसूस करते हैं। अगर आपको भी ऐसी समस्या रहती है तो सावधान हो जाना चाहिए। क्योंकि लंबे समय में ये परेशानी सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का कारण बन सकती है।

इसी वजह से कई लोग नींद की गोलियों या सप्लीमेंट्स पर निर्भर होने लगते हैं। लेकिन न्यूट्रिशनिस्ट दीपशिखा जैन के अनुसार, रात में खाने की एक छोटी सी आदत नेचुरली आपकी नींद को सुधारने में मदद कर सकती है। हाल ही में एक इंस्टाग्राम वीडियो में, उन्होंने बताया कि रात में एक चम्मच पीनट बटर खाने से नींद की क्वालिटी में सुधार कैसे हो सकता है।

पीनट बटर नींद में क्यों मददगार है?

दीपशिखा के अनुसार, पीनट बटर में कुछ ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो आराम, स्थिर ऊर्जा स्तर और ओवरऑल रिलेक्स करने में, बेहतर नींद में मदद कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि रात में बार-बार नींद टूटने का एक मुख्य कारण ब्लड शुगर का अस्थिर स्तर है। आधी रात या सुबह 3 बजे जागने का कारण यह है कि आपका ब्लड शुगर लेवल अचानक गिर जाता है और पीनट बटर खाने से वास्तव में आपका ब्लड शुगर लेवल स्थिर हो सकता है और इस गिरावट को रोका जा सकता है।

पीनट बटर में क्या क्या पाया जाता है?

पीनट बटर में हेल्दी फैट होता है, जो ग्लूकोज के अचानक उतार-चढ़ाव को धीमा करने और रात के दौरान ऊर्जा की कमी को रोकने में मदद कर सकता है। जैन ने मूंगफली के मक्खन में पाए जाने वाले एक अमीनो एसिड ट्रिप्टोफैन की ओर भी इशारा किया। उनके अनुसार, ट्रिप्टोफैन दिमाग में सेरोटोनिन के उत्पादन में मदद करता है।

बढ़ता जा रहा है मोटापा, तो डेली रूटीन में क्या करना चाहिए?

आपने भी कभी न कभी ये सुना ही होगा कि वजन बढ़ाना दुनिया का सबसे आसान काम है और वजन घटाना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है। क्या आपका वजन बढ़ता जा रहा है और आपको भी समझ नहीं आ रहा है कि कैसे अपने बढ़ते हुए वजन पर काबू पाएं? अगर हां, तो आज हम आपको कुछ छोटी-छोटी टिप्स के बारे में बताएंगे। अगर आप अपने डेली रूटीन में इन टिप्स को फॉलो करना शुरू कर देते हैं, तो आपको महज कुछ ही हफ्तों में खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर दिखाई देने लगेगा।

लिफ्ट की जगह सीढ़ियां चूज करें

क्या आप भी अपने ऑफिस या फिर फ्लैट तक पहुंचने के लिए लिफ्ट यूज करते हैं? अगर हां, तो आपको सीढ़ियां चढ़नी चाहिए। हर रोज लिफ्ट की जगह सीढ़ियां चढ़ना शुरू कर दीजिए। अगर आपके पास जिम जाने का समय नहीं है और आप बढ़ते हुए वजन पर काबू पाना चाहते हैं, तो इस टिप को फॉलो कर सकते हैं। सीढ़ियां चढ़ने से शरीर में जमा चर्बी को बर्न किया जा सकता है।

कर सकते हैं स्विमिंग

वजन घटाने के लिए किसी भी तरह की फिजिकल एक्टिविटी को अपने डेली रूटीन का हिस्सा बनाना बेहद जरूरी माना जाता है। आप स्विमिंग करना शुरू कर सकते हैं। हर रोज स्विमिंग करने से न केवल आपकी बॉडी का मेटाबॉलिज्म बूस्ट होगा बल्कि आप अपनी वेट लॉस जर्नी को भी आसान बना पाएंगे। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि स्विमिंग आपकी पूरी बॉडी के लिए एक बेहतरीन एक्सरसाइज साबित हो सकती है।

स्किपिंग फायदेमंद साबित हो सकती है- अगर आप स्विमिंग क्लास जॉइन नहीं करना चाहते हैं, तो कोई बात नहीं आप रस्सी कूदना शुरू कर सकते हैं। बढ़ते हुए वजन पर काबू पाने के लिए स्किपिंग भी एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। बचपन में आप सभी ने कभी न कभी रस्सी जरूर कूदी होगी। बस अब आपको फिर से अपने बचपन की जीना है और हर रोज नियम से स्किपिंग करनी है। स्किपिंग वजन कंट्रोल करने के साथ-साथ आपकी पूरी बॉडी के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकती है। **(एजेंसी)**

रोजाना खाली पेट खाएं फाइबर से भरपूर पपीता



अगर आप भी अपने आप को हेल्दी और बीमारियों से दूर रखना चाहते हैं तो अपनी डाइट में पपीता को शामिल करें। खाली पेट फाइबर से भरपूर पपीता खाने से लिवर में जमी गंदगी साफ़ हो जाती है और शरीर डिटॉक्स होता है। साथ ही यह पाचन को दुरुस्त रखने में बेहद फायदेमंद हो सकता है। यह एक ऐसा फल है जो गुणों से भरपूर है। इसमें मौजूद पाचक एंजाइम जैसे पपेन और भरपूर फाइबर इसे हमारे पेट और लिवर के लिए एक सुपरफूड बनाते हैं। तो, चलिए जानते हैं सुबह के समय खाली पेट पपीता खाने से कौन कौन से फायदे मिलते हैं?

पपीता खाने के फायदे:

फैटी लिवर: फैटी लिवर की समस्या में पपीता खाने के कई फायदे हैं। ये प्रिनफ्लेमेटरी साइटोकिन्स के ज्यादा उत्पादन और गतिविधि को रोककर लिवर की सूजन को कम करने में मदद कर सकता है।

लिवर डिटॉक्स: पपीते में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और पाचक एंजाइम लिवर से टॉक्सिन्स (गंदगी) को बाहर निकालने में मदद करते हैं। यह लिवर के कामकाज को बेहतर बनाता है और उसे स्वस्थ रखता है।

बेहतर पाचन: पपीते में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो मल त्याग को आसान बनाता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। पापेन एंजाइम प्रोटीन को तोड़ने में मदद करता है, जिससे खाना बेहतर तरीके से पचता है। खाली पेट इसे खाने से पाचन तंत्र को दिन की शुरुआत में ही एक स्वस्थ बढ़ावा मिलता है।

वजन नियंत्रण: फाइबर युक्त होने के कारण पपीता पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे अनावश्यक खाने से बचा जा सकता है और वजन कम करने में मदद मिलती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता: बारिश के मौसम में रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है जिससे सर्दी खांसी की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में अपनी डाइट में पपीता शामिल करें। यह विटामिन सी से भरपूर होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है, जिससे आप बीमारियों से बचे रहते हैं।

कैसे खाएं पपीता?

सुबह खाली पेट, नाश्ते से पहले एक कटोरी पका हुआ पपीता खाना सबसे अच्छा रहता है। आप चाहें तो इसमें थोड़ा नींबू का रस भी मिला सकते हैं ताकि इसके फायदे और बढ़ जाएं।

कुल मिलाकर, पपीता एक स्वादिष्ट फल है जिसे अपनी रोज़ाना की डाइट में शामिल करने से आपके लिवर और पाचन स्वास्थ्य को बेहतरीन लाभ मिल सकते हैं। **(एजेंसी)**

करी पत्ते का पानी, कंट्रोल करे ब्लड शुगर लेवल

करी पत्ते का इस्तेमाल ज्यादातर खाने-पीने की चीजों के स्वाद को बढ़ाने के लिए किया जाता है। लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दें कि करी पत्ते में पाए जाने वाले तमाम औषधीय गुण आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकते हैं। आइए पोषक तत्वों से भरपूर करी पत्ते का पानी पीने के कुछ कमाल के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में भी जानकारी हासिल करते हैं। डायबिटीज पेशेंट्स के लिए करी पत्ते का पानी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। करी पत्ते के पानी में पाए जाने वाले तत्व ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मददगार साबित हो सकते हैं।

बैड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने के लिए भी करी पत्ते के पानी का सेवन किया जा सकता है यानी ये नेचुरल ड्रिंक आपकी हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाए रखने में भी असरदार साबित हो सकती है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

करी पत्ते के पानी में मौजूद औषधीय गुण आपकी गट हेल्थ को सुधारने में कारगर साबित हो सकते हैं। अगर आप पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो हर रोज सुबह-सुबह करी पत्ते के पानी को पीना शुरू कर दीजिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि महज एक ही हफ्ते के अंदर आपको खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर महसूस होने लगेगा।

बूस्ट करे मेटाबॉलिज्म

करी पत्ते का पानी पीकर आप न केवल अपने शरीर के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर सकते हैं बल्कि अपनी वेट लॉस जर्नी को भी काफी हद तक आसान बना सकते हैं।

इसके अलावा करी पत्ते का पानी आपकी त्वचा और आपके बालों के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए खाली पेट करी पत्ते के पानी का सेवन करना चाहिए। **(एजेंसी)**

अम्बेडकर अस्पताल के कैंसर सर्जरी विभाग की बड़ी उपलब्धि

रायपुर ■ दैनन्दिनी

डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के कैंसर सर्जरी विभाग के चिकित्सकों ने एक जटिल ऑपरेशन में 60 वर्षीय मरीज की छाती में हृदय के पास स्थित कैंसरयुक्त गांठ को सफलतापूर्वक निकालने में कामयाबी हासिल की है। गांठ हृदय की प्रमुख रक्त वाहिकाओं, बाएं फेफड़े और हृदय की झिल्ली से चिपकी हुई थी। कैंसर सर्जरी एवं हार्ट, चेस्ट एंड वैस्कुलर सर्जरी विभाग की संयुक्त टीम ने करीब चार घंटे तक चली सर्जरी में गांठ को निकाल दिया। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति स्थिर रही और उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। कैंसर सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष गुप्ता के अनुसार हमने केस की जटिलता और मरीज की उम्र को देखते हुए लम्बे समय तक मरीज को नियमित फॉलोअप में रखा। उसके बाद आज दिनांक तक मरीज पूरी तरह ठीक है और अपना जीवन सामान्य लोगों की तरह जी रहा है।

छाती में दर्द और भारीपन की शिकायत लेकर पहुंचा था मरीज- डॉ. आशुतोष गुप्ता के अनुसार, रायपुर निवासी 60 वर्षीय मरीज छाती में दर्द और भारीपन की शिकायत के साथ मेकाहारा के कैंसर सर्जरी विभाग की ओपीडी में पहुंचा था। इससे पहले मरीज एक निजी अस्पताल में बायोप्सी करवा चुका था, जिसमें इनवेसिव थाइमोमा (Invasive Thymoma) की पुष्टि हुई थी। मरीज कैंसर सर्जरी विभाग में पहुंचने से पहले कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी भी करवा चुका था। मरीज की स्थिति का विस्तृत आकलन करने के लिए छाती का कॉन्ट्रास्ट सीटी स्कैन कराया गया। जांच में छाती के अगले हिस्से यानी एंटीरियर मीडियास्टिनम (Anterior Mediastinum) में लगभग 5 × 4.3 × 2.5 सेंटीमीटर आकार की गांठ पाई गई। यह गांठ महाधमनी (वतजं) और पल्मोनरी आर्टरी (Pulmonary Artery) जैसी हृदय से जुड़ी प्रमुख रक्त वाहिकाओं के निकट स्थित थी और उनसे चिपकी हुई थी।



दो विभागों ने मिलकर बनाई सर्जरी की योजना- गांठ की स्थिति और हृदय की प्रमुख रक्त वाहिकाओं से उसके गहरे जुड़ाव को देखते हुए कैंसर सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष गुप्ता ने हार्ट, चेस्ट एंड वैस्कुलर सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. के. के. साहू से परामर्श किया। मरीज की स्थिति का आकलन करने के बाद दोनों विभागों की टीम ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। सर्जरी के दौरान छाती के मध्य भाग में चीरा लगाकर मीडियन स्टर्नोटॉमी (Median Sternotomy) तकनीक से गांठ तक पहुंच बनाई गई। ऑपरेशन के दौरान लगभग 5 × 4 सेंटीमीटर आकार की गांठ एसेन्डिंग एओर्टा (Ascending Aorta), पल्मोनरी आर्टरी (Pulmonary Artery), बाएं फेफड़े (स्मजि स्नदह) और हृदय की बाहरी झिल्ली यानी पेरीकार्डियम (Pericardium) से चिपकी हुई पाई गई। गांठ की संवेदनशील स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने अत्यंत सावधानी और कुशलता के साथ सर्जरी की। गांठ को हृदय की झिल्ली के एक हिस्से और बाएं फेफड़े के कुछ हिस्से के साथ सफलतापूर्वक निकाल दिया गया। लगभग चार घंटे तक चले इस ऑपरेशन के दौरान मरीज को दो यूनिट रक्त चढ़ाया गया। सर्जरी के दौरान कोई बड़ी समस्या नहीं आई और ऑपरेशन निर्धारित योजना के अनुसार सफलतापूर्वक पूरा हुआ। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति में सुधार के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

इन चिकित्सकों की रही महत्वपूर्ण भूमिका- इस जटिल सर्जरी में कैंसर सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष गुप्ता एवं हार्ट, चेस्ट एंड वैस्कुलर सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. के. के. साहू के नेतृत्व में डॉ. किशन सोनी, डॉ. गुंजन अग्रवाल, डॉ. सोनम, डॉ. समृद्ध, डॉ. लावण्या, डॉ. आशीष मालव, डॉ. गौरव और डॉ. अक्षय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऑपरेशन के दौरान निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. संकल्प भी टीम में शामिल रहे।

राज्योत्सव में स्कूल शिक्षा विभाग की स्टॉल पर दिखेगी आधुनिक शिक्षा और नवाचार की झलक

समावेशी शिक्षा, डिजिटल लर्निंग, स्मार्ट क्लास और कौशल विकास पर विशेष फोकस

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के अवसर पर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लगाई जा रही विभागीय स्टॉल में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में हो रहे नवाचारों, आधुनिक शिक्षण तकनीकों और शैक्षणिक उपलब्धियों की झलक देखने को मिलेगी। स्टॉल के माध्यम से राज्य में गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और तकनीक आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं योजनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और रोजगारोन्मुखी बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को राज्योत्सव में प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा।विभागीय स्टॉल में समावेशी शिक्षा एवं संस्कृति, कौशल विकास एवं शिक्षा, STEM/ATL/Composite Lab, नवाचार, SCERT की उपलब्धियां, मुस्कान पुस्तकालय एवं डिजिटल लाइब्रेरी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, स्मार्ट शिक्षण, NCC, स्काउट गाइड, रेड क्रॉस तथा डिजिटल लर्निंग एवं स्मार्ट क्लास जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया है। स्टॉल में आधुनिक शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित आधारित स्टेम शिक्षा, अटल टिंकरिंग लैब तथा कंपोजिट लैब के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता और नवाचार की भावना विकसित करने के प्रयासों को विशेष रूप से रेखांकित किया जाएगा। साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी और स्मार्ट क्लास के माध्यम से शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक रोचक, प्रभावी और तकनीक आधारित बनाने की पहल को भी प्रस्तुत किया जाएगा।



राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (SCERT) की शैक्षणिक उपलब्धियों, शिक्षक प्रशिक्षण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को भी प्रदर्शनी में स्थान दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, व्यावहारिक ज्ञान, कौशल आधारित शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने की अवधारणा पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त स्टॉल में एनसीसी, स्काउट गाइड और रेड क्रॉस जैसी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना और सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करने के प्रयासों को भी प्रमुखता दी जाएगी। समावेशी एवं समग्र शिक्षा के अंतर्गत प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य को भी रेखांकित किया जाएगा। राज्योत्सव में स्कूल शिक्षा विभाग की यह स्टॉल प्रदेश की बदलती शिक्षा व्यवस्था, आधुनिक तकनीकों के समावेश और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को प्रदर्शित करेगी। इसके माध्यम से आम नागरिकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में संचालित विभिन्न योजनाओं, नवाचारों एवं उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त होगी।

प्रभु श्रीराम का जीवन संघर्ष, त्याग, सेवा और मर्यादा की प्रेरणा देता है: वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि प्रभु श्रीराम का जीवन केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए आदर्श है। उनका जीवन हमें संघर्ष, त्याग, मर्यादा, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा की प्रेरणा देता है। भगवान श्रीराम ने राजपरिवार में जन्म लेने के बावजूद अनेक कठिनाइयों का सामना किया और 14 वर्षों का वनवास स्वीकार किया। उनके जीवन से हमें सीख मिलती है कि कठिन परिस्थितियों से विचलित हुए बिना समाज और मानवता के कल्याण के लिए निरंतर कार्य करना चाहिए। वित्त मंत्री श्री चौधरी आज रायगढ़ के पंजरी प्लांट स्थित संत पूज्य श्री प्रियदर्शी राम ऑडिटोरियम में श्री रामलला दर्शन योजना एवं मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत तीर्थयात्रा कर लौटे वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने जिले के 981 वरिष्ठ नागरिकों को श्रीरामचरित मानस की पुस्तिका, व्यास वेदी और शाल भेंट कर सम्मानित किया। इनमें ग्रामीण क्षेत्रों के 861 तथा शहरी क्षेत्रों के 120 वरिष्ठ नागरिक शामिल थे।



वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है। माता कौशल्या छत्तीसगढ़ की बेटी थीं, इसलिए भगवान श्रीराम का प्रदेश से गहरा सांस्कृतिक और भावनात्मक संबंध है। छत्तीसगढ़ में भगवान श्रीराम को स्नेहपूर्वक भांचा राम कहा जाता है। यहां भांचा के प्रति विशेष आदर और उनके चरण स्पर्श करने की परंपरा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्श आज भी समाज को सही दिशा प्रदान करते हैं। उनके जीवन में मर्यादा, पारिवारिक मूल्यों, सामाजिक समरसता और लोककल्याण का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात कर हम समाज में सेवा, सद्भाव और सकारात्मकता की भावना को और मजबूत कर सकते हैं।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों की धार्मिक आस्था और भावनाओं का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना को पुनः प्रारंभ किया। इसके साथ ही सरकार के पहले बजट में श्री रामलला दर्शन योजना प्रारंभ की गई, ताकि छत्तीसगढ़ के श्रद्धालु अयोध्या धाम पहुंचकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि अधिक से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थयात्रा का अवसर मिले। इसके लिए यात्रा के दौरान आवागमन सहित आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। ये योजनाएं वरिष्ठजनों की वर्षों पुरानी इच्छाओं और धार्मिक आकांक्षाओं को पूरा करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही हैं।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बताया कि अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के दर्शन के दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ में कम से कम एक लाख श्रीरामचरित मानस पुस्तिकाएं और व्यास वेदी श्रद्धालुओं तक पहुंचाने का संकल्प लिया था। इसी संकल्प को पूरा करने की दिशा में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्रीरामचरित मानस भारतीय संस्कृति, जीवन मूल्यों और आदर्शों का महत्वपूर्ण ग्रंथ है। इसके माध्यम से नई पीढ़ी को भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, मर्यादा और कर्तव्यबोध से परिचित कराने के साथ हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया ने कहा कि आज का दिन सभी के लिए गौरव और प्रसन्नता का अवसर है। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की जन्मभूमि और भगवान श्रीराम का ननिहाल है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण के बाद श्रद्धालुओं को दर्शन का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं से अनेक वरिष्ठ नागरिकों का वर्षों पुराना सपना साकार हुआ है। तीर्थयात्रा से लौटे श्रद्धालुओं के अनुभव और उनके चेहरों की प्रसन्नता इन योजनाओं की सार्थकता को दर्शाती है।

राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना और श्री रामलला दर्शन योजना श्रद्धालुओं को देश के प्रमुख तीर्थस्थलों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनी हैं। उन्होंने भारतीय संस्कृति, मंदिरों और धार्मिक विरासत के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि अयोध्या धाम में भगवान श्रीराम के दर्शन करना श्रद्धालुओं के लिए विशेष आध्यात्मिक अनुभव है। उन्होंने वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी द्वारा एक लाख श्रीरामचरित मानस पुस्तिकाएं और व्यास वेदी वितरित करने के संकल्प की सराहना की। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिखा रवींद्र गबेल ने भी वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थयात्रा का अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। सम्मान समारोह में तीर्थयात्रा कर लौटे वरिष्ठ नागरिकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। श्रद्धालुओं ने बताया कि उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि उन्हें अयोध्या धाम पहुंचकर प्रभु श्रीराम के दर्शन करने का अवसर मिलेगा। उनके परिवार की पिछली पीढ़ियां भी अयोध्या नहीं जा सकी थीं, लेकिन राज्य सरकार की योजना से उनकी वर्षों पुरानी इच्छा पूरी हुई। श्रद्धालुओं ने बताया कि यात्रा के दौरान आवागमन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की अच्छी व्यवस्था की गई थी। तीर्थस्थलों पर भी उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

बिहान योजना से जशपुर की ग्रामीण महिलाएं बन रहीं लखपति दीदी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' और विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से महिलाएं अपनी मेहनत, लगन और उद्यमशीलता से सफलता की नई कहानियां लिख रही हैं। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अब पारंपरिक आजीविका गतिविधियों के साथ निर्माण और अन्य व्यवसायों में भी अपनी पहचान बना रही हैं। जशपुर जिले की सरिता बाई इसकी एक प्रेरक मिसाल हैं, जिन्होंने ईंट निर्माण के व्यवसाय से न केवल अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत की है, बल्कि लखपति दीदी के रूप में नई पहचान भी बनाई है।

जशपुर जिले के मनोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चड़िया निवासी सरिता बाई ने आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लेकर वर्ष 2024 में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत एक लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया। इस राशि से उन्होंने ईंट निर्माण का व्यवसाय शुरू किया। शुरुआती



प्रयासों को अपनी मेहनत, लगन और बेहतर प्रबंधन से आगे बढ़ाते हुए उन्होंने व्यवसाय को आय का स्थायी जरिया बनाया। आज वे ईंट निर्माण से प्रतिवर्ष दो लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित कर रही हैं।

सरिता बाई की सफलता यह दर्शाती है कि शासन की योजनाओं के माध्यम से मिलने वाली वित्तीय सहायता और स्वयं की मेहनत से ग्रामीण महिलाएं भी सफल उद्यमी बन सकती हैं। उनके इस प्रयास से परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और वे आत्मविश्वास के साथ स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पक्के मकानों के निर्माण और निजी निर्माण कार्यों में तेजी आने से ईंटों की मांग बढ़ रही है। सरिता बाई के व्यवसाय को भी इसका लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे मकानों सहित अन्य निजी निर्माण कार्यों में उनकी बनाई ईंटों की अच्छी मांग है। स्थानीय स्तर पर निर्माण सामग्री की उपलब्धता से उनके व्यवसाय को निरंतर आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं को आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए बिहान मिशन और स्वरोजगार योजनाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन प्रयासों से महिलाएं स्व-सहायता समूहों के माध्यम से बचत, ऋण और उद्यमशीलता की गतिविधियों से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं।



रायपुर.राज्यपाल श्री रमेन डेका ने लौह पुरूष, राष्ट्रीय एकीकरण के शिल्पकार, भारत रत्न, सरदार वल्लभ भाई पटेल की 151वीं जयंती पर आज लोकभवन में उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। राज्यपाल श्री डेका ने अखंड भारत के निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए नमन किया।

सार-बातें शिक्षक भर्ती परीक्षा के पहले दिन 83.25 प्रतिशत अभ्यर्थियों की उपस्थिति, 34,514 परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र जारी

1812 रिक्त संविदा पदों के लिए आयोजित सीबीटी परीक्षा में अभ्यर्थियों ने दिखाया उत्साह

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में 1812 रिक्त संविदा पदों पर भर्ती के लिए आयोजित कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) के पहले दिन अभ्यर्थियों में उत्साह देखने को मिला। यह परीक्षा 31 अक्टूबर से 4 नवंबर 2026 तक आयोजित की जा रही है। पहले दिन प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केंद्रों में कुल 83.25 प्रतिशत अभ्यर्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई। लोक शिक्षण संचालनालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, परीक्षा के पहले दिन प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केंद्रों में कुल 10 विषयों की परीक्षा आयोजित की गई। इसमें 7,025 अभ्यर्थी उपस्थित हुए, जबकि 1,177 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। विषयवार उपस्थिति के आंकड़ों के अनुसार शिक्षक गणित विषय में सर्वाधिक 90.25 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त व्याख्याता संस्कृत में 81.77 प्रतिशत, व्याख्याता सामाजिक विज्ञान में 84.87 प्रतिशत, व्याख्याता भौतिकी में 84.83 प्रतिशत, व्याख्याता जीव विज्ञान में 83.27 प्रतिशत, व्याख्याता इतिहास में 80.56 प्रतिशत, व्याख्याता रसायन में 77.07 प्रतिशत, व्यायाम



शिक्षक में 76.9 प्रतिशत, व्याख्याता भूगोल में 64.29 प्रतिशत तथा व्याख्याता अर्थशास्त्र में 63.64 प्रतिशत अभ्यर्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई।

34,604 अभ्यर्थियों ने किया आवेदन, 99.74 प्रतिशत को प्रवेश पत्र जारी-इस भर्ती परीक्षा के लिए कुल 34,604 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। इनमें से 34,514 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किए गए हैं, जो कुल आवेदकों का 99.74 प्रतिशत है। आवेदन करने वालों में 20,779 महिला अभ्यर्थी (60 प्रतिशत) तथा 13,825 पुरुष अभ्यर्थी (40 प्रतिशत) शामिल हैं। इस प्रकार महिला आवेदकों की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक रही है। कुल आवेदकों में 332 दिव्यांग अभ्यर्थी भी शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पहली बार आयोजित कंप्यूटर आधारित परीक्षा में प्रथम दिवस परीक्षार्थियों में अत्यधिक उत्साह देखा गया। परीक्षार्थियों ने बताया कि कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली, ओएमआर एवं पारंपरिक पेन-पेपर परीक्षा की तुलना में अधिक तेज, पारदर्शी, सटीक एवं प्रभावी है। कंप्यूटर द्वारा उत्तरों का स्वचालित मूल्यांकन होने के कारण कम समय में त्रुटिरहित परीक्षा परिणाम तैयार एवं घोषित किए जा सकेंगे। परीक्षार्थियों ने इसे राज्य शासन की एक सराहनीय पहल बताया। कंप्यूटर आधारित परीक्षा (ब्ठज्) में अभ्यर्थियों के उत्तर, उत्तर कुंजी, डिजिटल रिकॉर्ड एवं ऑडिट ट्रेल उपलब्ध होने से परीक्षा प्रक्रिया अन्य परीक्षा प्रणालियों की तुलना में अधिक पारदर्शी है। परीक्षार्थियों ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में अन्य भर्ती परीक्षाओं का आयोजन भी यथासंभव कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा।

त्योहारी सीजन में खाद्य विभाग की छापेमारी, तीन प्रतिष्ठानों से लिए नमूने

रायपुर। त्योहारी सीजन में मिलावटखोरी पर अंकुश लगाने और आम लोगों को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने खाद्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ जांच अभियान तेज कर दिया है। शनिवार को विभाग की टीम ने शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। वहीं अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य सामग्री का निर्माण पाए जाने पर भनपुरी स्थित श्री अन्नपूर्णा एग्रो की खाद्य अनुज्ञप्ति तीन दिनों के लिए निलंबित कर दी गई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के नियंत्रक दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा टीम ने मैग्नेटो मॉल स्थित केएफसी से राइस बॉल का नमूना संग्रहित किया। इसी तरह न्यू राजेंद्र नगर स्थित अग्रवाल मिठाईवाला से पूजा पेड़ा और डोडा बर्फी के नमूने जांच के लिए लिए गए। इसके अलावा टीम ने भनपुरी औद्योगिक क्षेत्र क्रमांक 45 स्थित श्री अन्नपूर्णा एग्रो का निरीक्षण किया। जांच के दौरान यहां अस्वच्छ एवं अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में बेसन और फरसाण फ्लोर का निर्माण किया जाना पाया गया।

इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए विभाग ने प्रतिष्ठान की खाद्य अनुज्ञप्ति तीन दिनों के लिए निलंबित कर दी।

:- संपादकीय :-

ट्रंप के मंसूबे पर पानी फिर गया

लूला की जीत से लैटिन अमेरिका में 'डोनरो डॉक्ट्राइन लागू करने के अमेरिकी राष्ट्रपति के मंसूबे पर पानी फिर गया है। आरोप है कि लूला को हराने में ट्रंप समर्थकों ने पूरा जोर लगा रखा था।ब्राजील में तमाम चुनाव-पूर्व अनुमानों को धता बताते हुए लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा का फिर से राष्ट्रपति चुन लिया जाना दूरगामी वैश्विक महत्त्व की घटना है। तीन हफ्ते पहले प्रथम चरण के चुनाव में लूला धुर- दक्षिणपंथी उम्मीदवार फ्लावियो बोल्सोनारो से दो प्रतिशत वोट से पिछड़ गए थे। उसी रोज हुए संसदीय एवं प्रांतीय चुनावों में भी धुर-दक्षिणपंथी समूह को बड़ी जीत मिली थी। उसके मद्देनजर दूसरे चरण में लूला की जीत की संभावनाएं धूमिल थीं। लेकिन तीन हफ्तों में असाधारण चुनाव अभियान चला कर 80 वर्षीय लूला ने श्रमिक, मूलवासी, और प्रगतिशील तबकों की अभूतपूर्ण गोलबंदी की।उसका परिणाम उनकी जीत है, जिससे पूरे लैटिन अमेरिका में 'डोनरो डॉक्ट्राइनइ लागू करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के मंसूबे पर पानी फिर गया है। ट्रंप प्रशासन ने अपनी 'सुरक्षा नीतिइ में लैटिन अमेरिका में अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती-विहीन बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसमें उसे काफी सफलता मिली है। वहां एक के बाद दूसरे देश में ट्रंपवादी धुर-दक्षिणपंथी सरकारें हाल में सत्ता में आई हैं। अपवाद सिर्फ ब्राजील और मेक्सिको हैं। इसीलिए ब्राजील का चुनाव बेहद अहम हो गया था। गुजरे हफ्तों में ऐसी खबरें आईं कि पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे फ्लेवियो के समर्थन में अमेरिका की बड़ी तकनीक कंपनियों ने अपनी पूरी ताकत लगाई है।खासकर मेटा के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर बोल्सोनारो समर्थक सामग्रियों को खूब प्रसारित करने और लूला समर्थक सामग्रियों को प्रतिबंधित करने के आरोप लगे। ब्राजील का अभिजात्य वर्ग भी बोल्सोनारो के पक्ष में लामबंद था। चुनाव के दिन इल्जाम लगे कि कई राज्यों के दक्षिणपंथी नेताओं ने जानबूझ कर परिवहन सेवाओं में कटौती की। इतनी कि ऐन वक्त पर अदालत को मतदान का समय दो घंटे बढ़ाने का निर्णय देना पड़ा। यानी प्रतिकूल परिस्थितियों में लूला की संघर्ष भावना की जीत हुई है। इससे ब्रिक्स+ राहत की सांस लेगा। अंदेशा था कि बोल्सोनारो जीतते, तो विकासशील देशों के इस संगठन को कमजोर करने के ट्रंप के एजेंडे को आगे बढ़ाते। साथ ही लूला की जीत से उदारपंथी समूह उत्साहित होंगे, जो दुनिया भर में इस समय धुर-दक्षिणपंथ के आक्रामक तेवर के निशाने पर हैं।

माओवादी आ-तंक समाप्त: मोदी सरकार में कितना बदला बस्तर?

कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल ।

हमारा जनजातीय समाज ही बस्तर दशहरे का मुख्य कर्ताधर्ता है। पारंपरिक रीति-रिवाजों, मान्यताओं का जितना कड़ाई से जनजातीय समाज पालन करता है। उसका हम आप सहस्त्रांश नहीं कर पाते। यही हिन्दुत्व का विराट स्वरूप है।ये जो जात-पात, वाद आदि के जहर से समाज को तोड़ने की साज़िश करते रहते हैं। वो जरा! पूरे बस्तर दशहरा में एक कोई प्रकरण ढूंढ़ कर ला दें। जब पूरे बस्तर दशहरे के आयोजन के बीच कहीं कोई भेदभाव होता हो। यहां हर समाज के लोग बस आस्था और परंपरा के रंगों में डूबे मिलते हैं। प्रसन्नता के साथ धार्मिक अनुष्ठानों को पूरा करते मिलते हैं। कहने का आशय ये है कि –अब बस्तर में बारूद की गंध नहीं है। अब बस्तर में प्रकृति, संस्कृति, परिवर्तन और विकास की नई चेतना हिलोरें ले रही है। ये इसीलिए संभव हो पाया है क्योंकि देश की जनता ने प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी को दिल्ली में चुनकर भेजा है। जो 'विकास और विरासत' को एक साथ लेकर चलने के लिए संकल्पबद्ध है। आप सोचिए कि –अगर केंद्र और राज्य में भाजपा सरकार नहीं होती तो क्या देश से माओवादी आ-तंक समाप्त हो पाता ? क्या धारा-370 खत्म हो पाती? बस्तर में हम जो दृश्य देख पा रहे हैं क्या वो कभी दिख पाते ? जरा ! इन सवालों के जवाब खुद से एक बारगी



स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार 23 अक्टूबर 2026 को बस्तर में राष्ट्रपति का जाना हुआ है। सैकड़ों साल पुरानी 'मुरिया दरबार' परंपरा और वहां की कई परंपराओं से राष्ट्रपति का साक्षात्कार होना। हमारी सांस्कृतिक अन्तश्चेतना का प्रतिबिम्ब है। ये कोई सामान्य बात नहीं है। यह उस संकल्प की परिणिति है।अक्सर कुछ लोग कहते मिल जाते हैं कि भाजपा और मोदी सरकार में क्या ही बदला है? ये इतना सामान्यीकरण करने वाला प्रश्न है। जो किसी के गले नहीं उतरता है। कहीं और की बात न करें केवल छत्तीसगढ़ और बस्तर को ही देखें तो हमें पूरी तस्वीर ही अलग दिखाई देती है। भाजपा सरकार ने तय समय पर 31मार्च 2026 को छत्तीसगढ़ समेत देश को सशस्त्र माओवादी आ-तंक से मुक्त कर दिया। बस्तर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह और अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का पहुंचना। ये कोई सामान्य बात नहीं है। ये इतिहास की वो लकीर है। जो राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा और समृद्धि की संघर्षमय-प्रतिबद्धता की कहानी कहती है। 2024 में जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ये ऐलान किया था। उस समय लोग विश्वास नहीं कर रहे थे। 'विरोध के लिए विरोध करने वाले' धड़े, उपहास उड़ा रहे थे। किन्तु जब तय समय सीमा में देश से माओवादी आ-तंक (नक्सलवाद) समाप्त हो गया तो विरोध करने वाले उपहास का पात्र बनकर रह गए। हालांकि 'अर्बन नक्सली' और उन्हीं के र-क्तबीज 'दिमागी नक्सली' आज भी बस्तर में आंखें गड़ाए बैठे हैं। किन्तु वो अब कभी भी सफल नहीं हो पाएंगे। क्योंकि पूरा समाज जाग चुका है।स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार 23 अक्टूबर 2026 को बस्तर में राष्ट्रपति का जाना हुआ है। सैकड़ों साल पुरानी 'मुरिया दरबार' परंपरा और वहां की कई परंपराओं से राष्ट्रपति का साक्षात्कार होना । हमारी सांस्कृतिक अन्तश्चेतना का प्रतिबिम्ब है। ये कोई सामान्य बात नहीं है। यह उस संकल्प की परिणिति है। जो संकल्प–बस्तर की खुशहाली के लिए प्रतिबद्ध है।बस्तर में यही लोकतन्त्र का उदय है। जहां अब लोग निर्भय होकर जीवन जी रहे हैं। राष्ट्रप्रमुख उनके बीच पहुंच रहे हैं। जबकि इसके पहले 'अर्बन नक्सलियों' की कमांड से संचालित होने वाले सशस्त्र माओवादी – वहां हिं-सा, रक्त'-पात का वीभत्स खेल, रचते थे। 'जनताना' सरकार के नाम पर भारत के लोकतन्त्र और संविधान को चुनौती देते थे। इन्हें किस विचार और पूर्ववर्ती सरकार का घोषित-अघोषित समर्थन प्राप्त था? क्या ये किसी से छिपा है? लेकिन अब नक्सली नेस्तनाबूद हो चुके हैं। जिन माओवादियों ने सरेंडर किया है। उनके पुनर्वास के कार्यक्रम चल रहे हैं। उनको कौशल सम्पन्न बनाया जा रहा है। मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है। ये केंद्र की मोदी और राज्य की साय सरकार ने ही कर दिखाया है। आप इनकी और मुद्दों पर आलोचना कर सकते हैं। लेकिन माओवादी आ-तंक को समाप्त करने का जो साहसिक कार्य भाजपा सरकार ने किया है। वो 'न भूतो न भविष्यति' जैसा ही है।अब बस्तर में - बस्तर पंडुम हो रहा है, बस्तर ओलंपिक हो रहा है। पर्यटन का विस्तार हो रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सड़कों का नया जाल बुना जा रहा है। भारत की राष्ट्रपति के तौर पर द्रौपदी मुर्मु का बस्तर पहुंचना भी कोई सामान्य बात नहीं है। उनका राष्ट्रपति बनना भी कोई साधारण बात नहीं थी। ये भी ध्यान रखना चाहिए कि- जनजातीय समाज से आने वाली बेटी 'द्रौपदी मुर्मु' को भाजपा ने सर्वोच्च पद राष्ट्रपति की आसंदी तक पहुंचाया है। जबकि कांग्रेस नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन ने- जनजातीय समाज की इसी बेटी के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा था। वो किसी भी स्थिति में जनजातीय समाज से आने वाली बेटी को राष्ट्रपति नहीं बनने देना चाहते थे। भला, कांग्रेस और इंडी गठबंधन को जनजातीय समाज के विरोध में आने से क्या हासिल हुआ? क्या ये कॉलोनियल माइंडसेट नहीं था, जो जनजातीय समाज को कभी भी स्वीकार नहीं करना चाहता है?वहीं गाहे-बगाहे कुछ लोग भारत के लोकतन्त्र को नसीहतें देते रहते हैं। उपनिवेश की मानसिकता के गुलाम आज भी कहते हैं कि – 15 अगस्त 1947 के बाद ही भारत में लोकतन्त्र आया। ऐसे में उन्हें बस्तर के 'मुरिया दरबार' को जानना चाहिए। जहां सैकड़ों सालों से लोकतन्त्र और जन-संवाद का अद्भुत उदाहरण मिलता है। सैकड़ों गांवों के मांझी, चालकी और प्रतिनिधि 'मुरिया दरबार' में अपनी बातें रखते थे। क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर गहन, चिंतन और विमर्श करने की परंपरा निर्बाध रूप से जारी है। जहां पूरा समाज एक-दूसरे का पूरक है। भारत के कोने-कोने में ऐसे उदाहरण भरे पड़े हैं।

अंतर केवल इतना है कि भारत ने लोकतन्त्र शब्द का झुनझुना नहीं बजाया बल्कि लोकतन्त्र को जीवन में उतारा है। इसे शराब और ऐय्याशी में डूबे एसी कमरों में बैठने वाले तथाकथित अकादमिक जल्लाद और गल्पकार (इतिहासकार) नहीं समझ सकते हैं।ये भी ध्यान में रखना चाहिए कि वो लोग जो हमारे जनजातीय बांधवों को अपने चश्मे से दिखाते हैं। बताते हैं कि 'आदिवासी हिन्दू नहीं हैं।'

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है।आज आप किसी व्यक्ति विशेष के बारे में सोच कर रोमांचित रहेंगे। आज आपको कुछ नए अनुभव मिल सकते हैं। आज आपके लिए घर का सदस्य कुछ खरीद सकता है जिसे पाकर आप आनंदित होंगे। आज वर्कस्पेस पर सीनियर्स और बॉस के द्वारा कुछ बताया जा रहा है तो उसे गंभीरता से लें और अपनी कमियों को जानकर उसे सुधारने का प्रयास करें।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आस-पास के लोगों के लिए आपका व्यवहार अच्छा रहेगा, आपके अंदर नयी ऊर्जा का संचार होगा। आज आपको जो भी काम दीया जायेगा उसे आप अच्छे से करेंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। लोगों के मन में आपके प्रति सम्मान का भाव रहेगा यह देखकर आपको खुशी होगी। आज आप घर के कामों में अपनी मां की मदद करेंगे और भविष्य को लेकर आप बातचीत भी करेंगे।आज आपका पुराना मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है जिसकी आप अपनी क्षमता के अनुसार मदद करेंगे।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आप जानते हैं कि आपका काम मुश्किल नहीं है बस आपका हौसला कम हो गया है इसलिए आज किसी की सलाह मिलने से आपका हौसला बढ़ेगा और आप काम को बढि?ा तरीके से करेंगे। करियर में सुधार करने के लिए जिन बातों में बदलाव करना है, वह स्पष्ट रूप से जानने की कोशिश करें।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपके परिवार में आपसी प्रेम रहेगा। प्रोफेशनल लाइफ में मामले स्पष्ट रखें। व्यापारिक दृष्टिकोण से आज सब कुछ ठीक रहेगा। आपकी इनकम अच्छी रहेगी। आपके धन प्राप्ति के मार्ग में यदि कुछ बाधाएं आ रही थी, तो वह आज दूर होगी। आज परिवार का संपत्ति संबंधित विवाद सुलझ सकता है, जिसमें आपको वरिष्ठ सदस्यों की मदद भी मिलेगी।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपका जो उद्देश्य है, उससे जुड़े विचारों पर ध्यान देने की कोशिश करें। दुकानदारों के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा। दो गुना कमाई होने के योग बन रहे है। संगीत में रुझान वालों को आज इंडस्ट्री से गाने का ऑफर मिल सकता है। जिससे आपके मन को सुकून की प्राप्ति होगी। आज आपको संतान की संगति की ओर विशेष ध्यान देना होगा। आज आपकी किसी संपत्ति का सौदा हो सकता है।

तुला राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। परिवार में अपना उचित समय देना वातावरण को मधुर बनाकर रखेगा। प्रेम प्रसंगों में मुलाकात करने के अवसर बनेंगे। कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी स्टूडेंट्स को दौरान कठिन चुनौतियां मिल सकती है, जिसे वह अपनी मेहनत और सूझबूझ से पार करने में सफल रहेंगे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपनी योग्यता व प्रतिभा द्वारा किसी विषम परिस्थिति का सामना करने में सक्षम रहेंगे। स्वयं का विकास करने के लिए समय अनुसार अपने स्वभाव में थोड़ा स्वार्थी होना भी जरूरी है। विद्यार्थियों का पठन-पाठन में उचित समय व्यतीत होगा। आज भावुकता में लिए गए किसी निर्णय के लिए आपको पछतावा हो सकता है।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है लेकिन आपके द्वारा किया गया काम आपके बॉस को इम्प्रेस करेगा। रुपए-पैसों के मामले में लापरवाही नहीं करेंगे तो नुक्सान से बच जायेंगे। टूर-ट्रेवल्स और मीडिया संबंधी बिजनेस में नया मोड़ आ सकता है। आज आपको किसी करीबी से ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा आज बच्चे आपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज दिन भर भागा-दौड़ी की स्थिति रहेगी। कुछ समय आध्यात्मिक गतिविधियों में भी व्यतीत करने से मानसिक सुकून मिलेगा। आर्थिक मामलों में बजट का खास ध्यान रखें, उधार लेने की स्थिति से बचें। आपको अपने व्यवसाय के कामों में कुछ कठिनाई तो होगी, लेकिन फिर भी आप पूरा करने की कोशिश में लगे रहेंगे।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज घर में शुभ समाचार मिलने की सम्भावना होगी, साथ ही दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

सू- दोकू क्र. 203

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.202 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

नजरिया | नीरज कुमार दुबे ।

मोबाइल की लत में जकड़ा युवा : चुनौतियां और समाधान



आज का युग डिजिटल क्रांति का युग है। आज मोबाइल शिक्षा, मनोरंजन, व्यापार, बैंकिंग और सूचना का प्रमुख माध्यम बन चुका है। इसके बावजूद मोबाइल का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल विशेषकर युवाओं के लिए गंभीर डूषचता का विषय बनता जा रहा है। मोबाइल अपने आप में समस्या नहीं है। समस्या तब शुरू होती है, जब व्यक्ति अपनी जरूरत के अनुसार मोबाइल का इस्तेमाल करने की बजाय उसके नियंत्रण में रहने लगता है। सुबह आंख खुलते ही फोन देखना, भोजन करते समय वीडियो देखना, पढ़ाई के बीच बार-बार संदेशों की जांच करना और रात को देर तक सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना आज अनेक युवाओं की दिनचर्या का हिस्सा बन गया है। युवावस्था जीवन का वह महत्वपूर्ण दौर है, जिसमें शिक्षा, कौशल, व्यक्तित्व और करियर की नींव रखी जाती है। यदि इसी समय का बड़ा हिस्सा बिना किसी उद्देश्य के मोबाइल पर खर्च होने लगे, तो भविष्य की तैयारी प्रभावित होनी स्वाभाविक है।मोबाइल के अत्यधिक इस्तेमाल की आदत का सबसे बड़ा असर विद्या?थयों की पढ़ाई पर दिखाई देता है। किसी विद्यार्थी ने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए 2 घंटे पढ? का लक्ष्य निर्धारित किया लेकिन हर 10 मिनट में आने वाले संदेश और नोटिफिकेशन उसका ध्यान भटकाते रहे। परिणामस्वरूप 2 घंटे की पढ़ाई में वह विषय को ठीक से समझ ही नहीं पाया।हालांकि, मोबाइल का सही इस्तेमाल ऑनलाइन कक्षाओं, डिजिटल पुस्तकालयों, शैक्षणिक वीडियो और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में बहुत उपयोगी है। अंतर केवल उद्देश्य और समय के प्रबंधन का है। वही फोन किसी विद्यार्थी के लिए ज्ञान का भंडार बन सकता है और वही उसकी पढ़ाई में बाधा भी पैदा कर सकता है।सोशल मीडिया पर युवा अक्सर दूसरों के जीवन की आकर्षक तस्वीरें देखते हैं और किसी की सफलता देखकर वे अपने जीवन की तुलना दूसरों से करने लगते हैं। धीरे-धीरे उनमें हीनभावना, असंतोष और अपने भविष्य को लेकर चिंता बढ़ सकती है। यह समझना आवश्यक है कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली तस्वीरें किसी व्यक्ति के पूरे जीवन का सच नहीं होतीं। वहां अक्सर जीवन के चुनिंदा अच्छे क्षण ही प्रदर्शित किए जाते हैं, जबकि संघर्ष, असफलताएं और परेशानियां पर्दे के पीछे रह जाती हैं।मोबाइल के अत्यधिक इस्तेमाल से नींद का समय बिगड़ सकता है। देर रात तक स्क्रीन देखने से सोने में देरी होती है और अगले दिन थकान, चिड़चिड़ापन तथा पढ़ाई या काम में मन न लगने जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं। कुछ युवाओं में लगातार ऑनलाइन रहने की इच्छा सामाजिक मेलजोल को भी सीमित कर देती है। इसका अर्थ यह नहीं कि मोबाइल इस्तेमाल करने वाला प्रत्येक युवा मानसिक समस्या से जूझ रहा है। लेकिन जब मोबाइल का इस्तेमाल नींद, पढ़ाई, रिश्तों और दैनिक जिम्मेदारियों को प्रभावित करने लगे, तब सावधान होने की जरूरत है। मोबाइल पर लंबे समय तक झुक कर बैठने से गर्दन, कंधों और पीठ में दर्द की शिकायत हो सकती है। लगातार स्क्रीन देखने से आंखों में थकान, सूखापन और सिरदर्द जैसी परेशानियां भी हो सकती हैं। जब मोबाइल के कारण खेलकूद, पैदल चलना और दूसरी शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं, तब निष्क्रिय जीवनशैली का खतरा बढ़ता है। इसलिए पर्याप्त नींद, नियमित व्यायाम, संतुलित भोजन और परिवार के साथ समय बिताना उतना ही जरूरी है, जितना शिक्षा और करियर पर ध्यान देना।मोबाइल की आदत को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी केवल युवाओं पर डाल देना उचित नहीं, परिवार और शिक्षण संस्थानों को भी इस दिशा में सहयोग करना होगा। अभिभावकों को बच्चों के सामने स्वयं मोबाइल के संतुलित उपयोग का उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। विद्यालयों और महाविद्यालयों में डिजिटल जागरूकता, समय प्रबंधन, साइबर सुरक्षा तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिएं। यदि किसी युवा को मोबाइल से दूर रहने में लगातार कठिनाई हो रही हो और उसकी पढ़ाई, नींद या दैनिक जीवन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा हो, तो परिवार को उसे श?मदा करने की बजाय उचित परामर्श और जरूरत पड? पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ की मदद लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।भारत की युवा आबादी देश की सबसे बड़ी शक्तियों में से एक है। इसी युवा शक्ति के कंधों पर विज्ञान, शिक्षा, उद्योग, कृषि, प्रशासन और राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी है।

विचार

सरस्वती साइकिल योजना से बेटियों की शिक्षा की राह हुई आसान



गांव की पगडंडियों और लंबी सड़कों से होकर स्कूल पहुंचने वाली बेटियों के लिए एक साइकिल केवल दो पहियों का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा तक पहुंचने की राह आसान करने वाली साथी बन सकती है। घर से विद्यालय की दूरी, आने-जाने में लगने वाला समय, बदलता मौसम और परिवहन साधनों की कमी जैसी चुनौतियों के बीच सरस्वती साइकिल योजना दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को नियमित रूप से विद्यालय पहुंचने में मदद कर रही है।सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड स्थित शासकीय हाई स्कूल सेदम की छात्राएं रजनी एक्का, गायत्री यादव, सोनिया, रजनी साहू और नीतू यादव भी इस बदलाव को अपने जीवन में महसूस कर रही हैं। कभी स्कूल पहुंचने के लिए पैदल लंबी दूरी तय करने वाली इन छात्राओं के लिए साइकिल मिलने के बाद आवागमन आसान हुआ है। समय की बचत हो रही है और किसी दूसरे व्यक्ति पर निर्भरता भी कम हुई है।छत्तीसगढ़ शासन की सरस्वती साइकिल योजना के माध्यम से कक्षा 9वीं में अध्ययनरत पात्र छात्राओं को निःशुल्क साइकिल प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा देने के साथ बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना है।योजना का महत्व विशेष रूप से उन ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देता है, जहां घर और विद्यालय के बीच दूरी अधिक है तथा सार्वजनिक परिवहन के साधन सीमित हैं। ऐसी परिस्थितियों में प्रतिदिन पैदल स्कूल आना-जाना छात्राओं के लिए समय और श्रम दोनों की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण होता है। साइकिल मिलने से यही दूरी कम समय में तय की जा सकती है।

चांदनी करे चांद के दर्शन, सुहाग की छलनी-छलनी जेब से

असली करवाचौथ वह है, जिसमें रिश्ते में प्यार हो, व्यवहार में सम्मान हो और घर में इतना सुकून हो कि किसी को अपनी खुशी साबित करने के लिए दुनिया के सामने विज्ञापन न करना पड़े।करवाचौथ का चांद तो आज भी वही है, लेकिन उसके इंतजार की तैयारी इतनी महंगी हो गई है कि लगता है, चांद को देखने से पहले बैंक बैलेंस देखना जरूरी हो गया है। करवाचौथ के व्रत पर एक पति की टिप्पणी है– अरै, भूखी-प्यासी रहण का नाम व्रत सै या पूरा दिन मेकअप की दुकान बन कै बैठण का? पहले चांद की बाट देख्या करैं थे, अब चांद भी सोचता होगा कि मैं निकलूं या पहले इनकी रील पूरी होण दूं?चांद बेचारा ऊपर से इन व्रतधारी औरतों को देखकर सोच में पड़ गया है कि निकलना तो चमक कर उसे था, पर ये छोरियां मुझसे ज्यादा चमकने की तैयारी क्यूं कर री हैं?असल में करवाचौथ प्रेम और आस्था का पर्व था। अब यह बाजार, ब्रांड और बजट का त्योहार बनता जा रहा है। पहले तो बहू-बेटियां चांद देखकर व्रत खोल लिया करती थीं, अब चांद देखने से पहले पार्लर, डिजाइनर कपड़े, मेकअप, फोटोशूट अरै इंस्टाग्राम की हाजिरी जरूरी हो ली है। बाजार वालों ने भी परंपराओं की नब्ज पकड़ ली है। इसीलिए करवाचौथ पर बाजार वालों की चांदी है। करवाचौथ स्पेशल साड़ी, करवाचौथ स्पेशल ज्वेलरी, करवाचौथ स्पेशल थाली, करवाचौथ स्पेशल गिफ्ट और करवाचौथ स्पेशल मेकअप और मेहंदी।त्योहारों की इस महंगाई ने मध्यमवर्गीय परिवारों की कमर भी तोड़नी शुरू कर दी है। जिसके पास पैसा है, वह खर्च करे, इसमें बुराई नहीं। लेकिन जिसके पास सीमित आमदनी है, वह भी दूसरों की देखा-देखी अपनी जेब ढीली करता है। हमने त्योहारों को अपनी आर्थिक हैसियत दिखाने का मंच बना दिया है। व्रत-पूजा में भक्ति कम और सजावट ज्यादा, रिश्तों में अपनापन कम और प्रदर्शन ज्यादा हो गया है।सोशल मीडिया के युग में करवाचौथ का व्रत रखने के साथ-साथ यह भी जरूरी हो गया है कि दुनिया को पता चले कि व्रत रखा गया है।

अब व्रत पति की लंबी उम्र के लिए है या इंस्टाग्राम पर लंबी रील के लिए, यह शोध का विषय है!असली करवाचौथ वह नहीं, जिसमें छलनी सोने की हो, साड़ी हजारों की हो और फोटो पर लाखों लाइक आएं। असली करवाचौथ वह है, जिसमें रिश्ते में प्यार हो, व्यवहार में सम्मान हो और घर में इतना सुकून हो कि किसी को अपनी खुशी साबित करने के लिए दुनिया के सामने विज्ञापन न करना पड़े।

शब्द सामर्थ्य -203

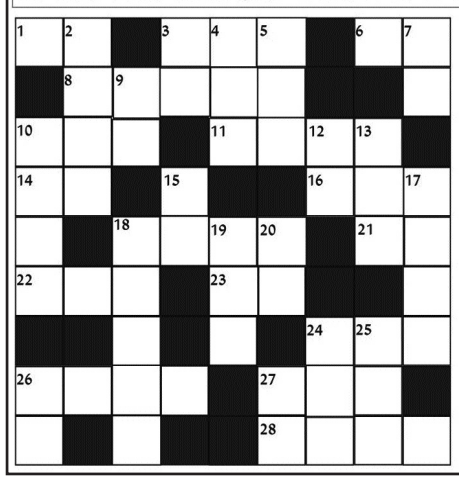
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 202 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

पंडरिया में 'रन फॉर यूनिटी' मिनी मैराथन में दिखा जन उत्साह

विधायक भावना बोहरा के साथ 500 से अधिक लोगों ने दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

पंडरिया (दैनंदिनी ब्यूरो)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 151वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा 'रन फॉर यूनिटी (मिनी मैराथन)' का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय एकता, अखंडता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित इस मिनी मैराथन में पंडरिया विधानसभा के विभिन्न महाविद्यालय के 500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस मिनी मैराथन में महिला एवं पुरुष वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को विधायक भावना बोहरा द्वारा मोमेंटों भेंट कर पुरस्कृत किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। पंडरिया महाविद्यालय से पीएमश्री स्वामी आत्मानंद स्कूल मैदान तक आयोजित इस मिनी मैराथन को विधायक भावना बोहरा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ दौड़ में शामिल होकर देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। आयोजन के माध्यम से सरदार वल्लभभाई पटेल जी के राष्ट्र निर्माण में अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने तथा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को और मजबूत बनाने का आह्वान किया गया।



इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, अदम्य इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और कर्तव्यनिष्ठा का अनुपम उदाहरण है। स्वतंत्रता के पश्चात देश की सैकड़ों रियासतों का एकीकरण कर उन्होंने भारत की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनका योगदान केवल इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं है, बल्कि आज भी प्रत्येक भारतीय को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता है। सरदार पटेल ने अपने दृढ़ संकल्प और असाधारण नेतृत्व से यह सिद्ध किया कि जब देश की एकता और अखंडता का प्रश्न हो, तब व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में निर्णय लेना ही सच्ची देशभक्ति है। आज उनकी जयंती पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता, सामाजिक समरसता और राष्ट्र के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक है।

भावना बोहरा ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण संबंधी विचारों और योगदान को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। गुजरात में विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का निर्माण सरदार पटेल के प्रति देश की कृतज्ञता और उनके विराट व्यक्तित्व को सम्मान देने का ऐतिहासिक उदाहरण है। राष्ट्रीय एकता दिवस जैसे आयोजनों के माध्यम से देशवासियों, विशेषकर युवाओं में राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यबोध और एकजुटता की भावना को प्रोत्साहित किया जा रहा है।प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना के साथ विकास, सुशासन और राष्ट्रीय गौरव के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

आज भारत की सांस्कृतिक विविधता उसकी सबसे बड़ी ताकत है। भाषा, क्षेत्र और संस्कृति की विविधताओं के बावजूद हम सभी भारतीय हैं और राष्ट्र की प्रगति एवं सुरक्षा के प्रति हमारा संकल्प एक है। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार प्रदेश के विकास, सुशासन और जनकल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। डबल इंजन सरकार का उद्देश्य विकास के लाभ को गाँव, गरीब, किसान, युवा और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाना है। प्रदेश में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ युवाओं को शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भावना बोहरा ने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा, सामर्थ्य और भविष्य के आधार होते हैं। जब युवा स्वस्थ शरीर, सकारात्मक विचार और राष्ट्रसेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं, तो देश की प्रगति को नई गति मिलती है।

उन्होंने कार्यक्रम में शामिल सभी युवाओं, नागरिकों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल जी के आदर्शों को आत्मसात करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। हम सभी को राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव को सर्वोपरि रखना चाहिए। आज 'रन फॉर यूनिटी' के माध्यम से पंडरिया ने एकजुटता, राष्ट्रप्रेम और सामूहिक संकल्प का संदेश दिया। आइए हम मिलकर सरदार पटेल के विचारों को जन-जन तक पहुँचाते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लें। इस अवसर पर नगर पालिका पंडरिया की अध्यक्ष श्रीमती मंजुला देवी कुर्रे जी, नगर पंचायत पांडातराई अध्यक्ष श्रीमती सरिता सोनी जी, मंडल अध्यक्ष पंडरिया श्री रविश ठाकुर जी, श्री चंद्रकुमार सोनी जी, श्री हरीश जैन जी, अंजू शर्मा जी, समस्त पार्षद व एल्डरमैन, भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर जिला पुलिस गरियाबंद ने किया एकता दौड़ का आयोजन



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर जिला पुलिस गरियाबंद द्वारा सामूहिक सहभागिता के साथ एकता दौड़ का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में एकता, अखंडता, भाईचारे एवं आपसी सद्भाव की भावना को मजबूत करने के साथ-साथ नागरिकों को शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं सक्रिय रहने के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस लाइन गरियाबंद से पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों एवं अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए एकता दौड़ में सहभागिता निभाई। हरी झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने एकजुट होकर दौड़ लगाई और समाज को एकता एवं अनुशासन का संदेश दिया।

कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सामूहिक प्रयास और आपसी सहयोग से ही एक मजबूत, सुरक्षित एवं स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। साथ ही फिटनेस को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए सभी को प्रेरित किया गया।

डकैती की घटना में शामिल 3 शातिर आरोपी गिरफ्तार

तीनों आरोपियों से लगभग 11.9 किलोग्राम चांदी के जेवरात, 1 मोटरसाइकिल बजाज पल्सर एन. एस. एवं 1500/- रुपये नगद बरामद

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन एवम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अखिलेश कौशिक के नेतृत्व में थाना तरेगांव जंगल पुलिस द्वारा डकैती की गंभीर घटना का त्वरित खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने घटना के महज 48 घंटे के भीतर आरोपियों तक पहुंचकर तीनों आरोपियों से कुल लगभग 11.9 किलोग्राम चांदी के जेवरात बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। प्रकरण में गिरफ्तार तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है, तथा दो अन्य संलिप्त आरोपियों की तलाश की जा रही है। 27 अक्टूबर की शाम पांडातराई निवासी वेदप्रकाश सोनी के साथ डकैती की घटना घटित हुई थी। घटना की सूचना मिलते ही थाना तरेगांव जंगल में अपराध क्रमांक 20/2026, धारा 309(6), 126(2), 115(2), 3(5) बी.एन.एस. के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।



सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर सूचना से आरोपियों तक पहुंची पुलिस घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा तत्काल विशेष टीम गठित कर घटनास्थल एवं आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने शुरू किए गए। विवेचना के दौरान 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से अवलोकन किया गया तथा आसपास के 24 गांवों के 500 से अधिक लोगों से पूछताछ की गई। साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों एवं अन्य गवाहों के कथन दर्ज कर तकनीकी साक्ष्य संकलित किए गए और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया।

घटना में प्रयुक्त संदिग्ध मोटरसाइकिल के आवागमन एवं उसके मार्ग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। आरोपियों की पहचान एवं पतासाजी के लिए मैदानी स्तर पर तीन अलग-अलग पुलिस टीमें लगातार कार्य कर रही थीं। वहीं साइबर टीम द्वारा अतिरिक्तपुलिस अधीक्षक अखिलेश कौशिक के नेतृत्व में सीसीटीवी फुटेज एवं तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा था। इसी दौरान मुखबिर से मिली महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर थाना पंडरिया एवं अन्य पुलिस टीमों द्वारा संदिग्ध निखिल कुर्रे एवं संजय भास्कर की पतासाजी की गई। पुलिस टीम को देखकर निखिल कुर्रे मोटरसाइकिल से भागने लगा, जिसका पीछा कर पुलिस ने ग्राम बिरकोना के पास उसे अभिरक्षा में लिया। पूछताछ एवं प्राप्त जानकारी के आधार पर संजय भास्कर तथा सचिन पात्रे को भी अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। आरोपियों के मेमोरेंडम कथनों एवं निशानदेही पर तीनों आरोपियों से कुल लगभग 11.9 किलोग्राम चांदी के जेवरात बरामद किए गए। आरोपियों के मेमोरेंडम कथनों एवं विवेचना में सामने आए तथ्यों के अनुसार, 27 अक्टूबर को सभी आरोपी पंडरिया स्थित देशी शराब भट्ठी के सामने एकत्रित हुए थे। इसके बाद वे दो अलग-अलग मोटरसाइकिलों से तरेगांव क्षेत्र की ओर रवाना हुए। आरोपियों ने तरेगांव बाजार क्षेत्र में रहकर वेदप्रकाश सोनी की गतिविधियों एवं उसके आवागमन पर नजर रखी।

229 क्विंटल के टोकन का दावा, खरीदी पावती में सिर्फ 39 बोरी दर्ज

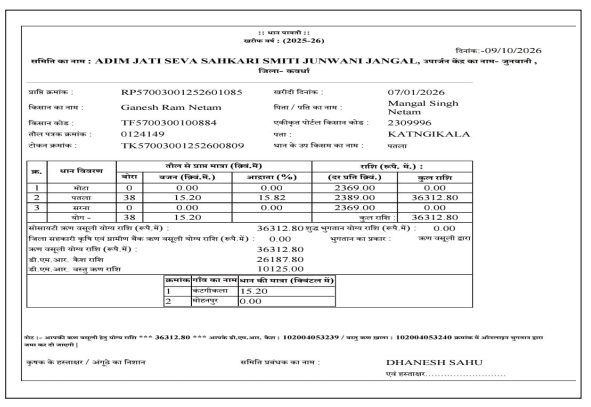
कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। धान खरीदी व्यवस्था में टोकन, वास्तविक आवक और खरीदी अभिलेखों के बीच अंतर का एक मामला आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित जुनवानी जंगल में सामने आया है। किसान गणेश पिता मंगल नेताम ने 9 अक्टूबर 2026 को सहकारिता विभाग में शिकायत दर्ज कराते हुए धान विक्रय की राशि से 36,312 रुपये की कथित अतिरिक्त ऋण वसूली और शेष भुगतान नहीं होने का आरोप लगाया है।



लेकिन किसान के दावे और उपार्जन केंद्र में उपलब्ध खरीदी पावतियों के आंकड़ों में बड़ा अंतर दिखाई दे रहा है। किसान ने जहां 229.60 क्विंटल धान बिक्री का दावा किया है, वहीं समिति के अभिलेखों में केवल 39 बोरी यानी 15.60 क्विंटल धान की खरीदी दर्ज है। इस तरह दोनों आंकड़ों के बीच 214 क्विंटल का अंतर सामने आया है।

उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार किसान कोड TF5700300100884 के तहत 7 जनवरी 2026 को धान खरीदी की गई थी। उपार्जन केंद्र की दो पावतियों में एक पावती में 38 बोरी पतला धान का वजन 15.20 क्विंटल और राशि 36,312.80 रुपये दर्ज है। दूसरी पावती में एक बोरी मोटा धान का वजन 0.40 क्विंटल और राशि 947.60 रुपये दर्ज है। इस प्रकार कुल 39 बोरी धान का वजन 15.60 क्विंटल और कुल विक्रय राशि 37,260.40 रुपये दर्ज है। इसके विपरीत किसान की शिकायत में 229.60 क्विंटल धान बिक्री और 5,44,537.20 रुपये की कुल राशि का उल्लेख किया गया है। दोनों राशियों में 5,07,276.80 रुपये का अंतर है।

उपार्जन केंद्र प्रभारी के अनुसार, खरीदी के दौरान वे किसी कार्य से केंद्र से बाहर थे। उनकी अनुपस्थिति में मौजूद कर्मचारियों ने दूसरे किसान के धान की तौल भी गणेश नेताम के नाम पर दर्ज कर दी थी। वापस लौटने के बाद जब खरीदी का मिलान किया गया तो संबंधित किसान के नाम पर वास्तविक आवक केवल 39 बोरी ही पाई गई। प्रभारी का कहना है कि किसान के ट्रैक्टर से धान की आवक भी केवल एक बार हुई थी। इसके बाद संबंधित किसानों को बुलाकर स्थिति स्पष्ट करने का प्रयास किया गया, लेकिन किसान उपस्थित नहीं हुआ।



:: भाग पावती ::
खरीफ वर्ष : (2025-26)
दिनांक:-09/10/2026

समिति का नाम : ADIM JATI SEVA SAHKARI SMITI JUNWANI JANGAL, उपार्जन केंद्र का नाम- जुनवानी , जिला- कवर्धा

प्राप्ति क्रमांक :	RP5700300125260108 5	खरीदी दिनांक :	07/01/2026
किसान का नाम :	Ganesh Ram Netam	पिता / पति का नाम :	Mangal Singh Netam
किसान कोड :	TF5700300100884	एकीकृत पोर्टल किसान कोड :	2309996
तौल पत्रक क्रमांक :	0124149	पता :	KATNGIKALA
टोकन क्रमांक :	TK5700300125260080 9	धान के उप किसान का नाम :	पतला

क्र.	धान विवरण	तौल से प्राप्त मात्रा (क्विं.में)			राशि (रुपये. में.) :	
		बोरा	वजन (क्विं.में.)	अनुज्ञप्ति (%)	(दर प्रति क्विं.)	कुल राशि
1	मोटा	0	0.00	0.00	2369.00	0.00
2	पतला	38	15.20	15.82	2389.00	36312.80
3	बारदा	0	0.00	0.00	2369.00	0.00
	योग -	38	15.20		कुल राशि	36312.80

सोसायटी जल्य वसूली योग्य राशि (रुपये में) : 36312.80 शुद्ध भुगतान योग्य राशि (रुपये में) : 0.00
जिला सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक जल्य वसूली योग्य राशि (रुपये में) : 0.00 भुगतान का प्रकार : जल्य वसूली द्वारा
जल्य वसूली योग्य राशि (रुपये में) : 36312.80
डी.एम.आर. केश राशि 26187.80
डी.एम.आर. वस्तु जल्य राशि 10125.00

क्रमांक	गरीब का नाम	धान की मात्रा (क्विंटल में)
1	सेतराकला	15.20
2	मोहतपुर	0.00

नोट :- आपकी जल्य वसूली हेतु योग्य राशि *** 36312.80 *** अंकित की.एम.आर. केश : 1020040053239 / वस्तु जल्य प्रमाण : 1020040053240 क्रमांक से अधिकृत भुगतान द्वारा जमा की जाएगी।

कृषक के हस्ताक्षर / अंगूठे का निशान समिति प्रबंधक का नाम : DHANESH SAHU
एवं हस्ताक्षर.....

समिति प्रबंधन का कहना है कि उपार्जन केंद्र के उपलब्ध दस्तावेजों और अभिलेखों में 39 बोरी धान की खरीदी दर्ज है तथा संबंधित पावतियों पर किसान के हस्ताक्षर भी मौजूद हैं। ऐसे में शिकायत में किए गए 229.60 क्विंटल धान बिक्री के दावे और समिति के रिकॉर्ड के बीच अंतर का स्पष्ट होना जरूरी है।

मामले का दूसरा पहलू ऋण वसूली से जुड़ा है। किसान ने शिकायत में वर्ष 2025-26 के दौरान 1,10,125 रुपये ऋण जमा करने के बावजूद 36,312 रुपये की अतिरिक्त वसूली किए जाने का आरोप लगाया है। साथ ही ऋण पुस्तिका में 73,813 रुपये बकाया दर्शाए जाने और शेष धान विक्रय राशि का भुगतान नहीं होने की बात कही है। हालांकि इस संबंध में वास्तविक ऋण खाते, लिंकिंग और बैंक भुगतान का मिलान होना बाकी है।

गौरतलब है कि धान खरीदी 7 जनवरी 2026 को हुई, जबकि शिकायत 9 अक्टूबर 2026 को दर्ज कराई गई। करीब नौ महीने बाद सामने आई शिकायत ने पूरे मामले को जांच के दायरे में ला दिया है। अब सहकारिता विभाग के लिए जरूरी है कि टोकन रिकॉर्ड, तौल पर्ची, आवक रजिस्टर, खरीदी पावती, किसान के हस्ताक्षर, ऋण खाते और बैंक भुगतान का निष्पक्ष परीक्षण कराया जाए। जांच से ही स्पष्ट होगा कि 214 क्विंटल का अंतर किस वजह से सामने आया और कथित कर्मचारी त्रुटि के लिए जिम्मेदार कौन है। फिलहाल 229 क्विंटल के दावे के सामने 39 बोरियों का अभिलेख पूरे मामले का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज बन गया है।



फसल क्षति होने पर कृषि रक्षक पोर्टल एवं हेल्पलाइन 14447 पर तत्काल सूचना दें

कलेक्टर के निर्देश पर उप संचालक कृषि ने ग्राम भेदली में चक्रवात से प्रभावित फसलों का किया निरीक्षण

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देश पर आज उप संचालक कृषि अमित कुमार मोहंती ने जिले के ग्राम भेदली में चक्रवात से हुई फसल क्षति का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने किसानों के खेतों में पहुंचकर धान की फसल को हुए नुकसान का जायजा लिया तथा प्रभावित किसानों से चर्चा कर क्षति की स्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान धान की कटाई के बाद खेतों में सुखाने के लिए रखी गई फसल को हुए नुकसान के संबंध में किसानों से जानकारी प्राप्त की गई। उल्लेखनीय है कि धान की कटाई के उपरांत फसल को खेत में सुखाने के लिए रखा जाता है। इस अवधि में प्राकृतिक आपदा के कारण फसल को नुकसान होने पर प्रभावित किसानों को निर्धारित समय-सीमा में इसकी सूचना दर्ज कराना आवश्यक है।

उप संचालक कृषि श्री मोहंती ने प्रभावित किसानों से अपील की कि वे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल क्षति की सूचना तत्काल कृषि रक्षक पोर्टल अथवा टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 14447 पर दर्ज कराएं। फसल क्षति की सूचना घटना के 72 घंटे के भीतर अनिवार्य रूप से दर्ज कराना सुनिश्चित करें, ताकि नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा सके।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत प्राकृतिक आपदा से फसल को नुकसान होने की स्थिति में अब किसान कृषि रक्षक पोर्टल एवं हेल्पलाइन नंबर 14447 के माध्यम से भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। प्राकृतिक आपदा, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि, जलभराव, आकाशीय बिजली अथवा अन्य बीमा योग्य घटनाओं से प्रभावित किसान निर्धारित समय-सीमा के भीतर फसल क्षति की सूचना दर्ज करा सकते हैं।

यह सुविधा उन किसानों के लिए महत्वपूर्ण है, जिनकी बीमित फसलों को प्राकृतिक आपदाओं के कारण नुकसान पहुंचा है। किसान टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 14447 पर कॉल करके अथवा कृषि रक्षक पोर्टल के माध्यम से फसल क्षति की सूचना दर्ज करा सकते हैं।

संयुक्त रूप से किया जाएगा फसल क्षति का आकलन

फसल क्षति की सूचना प्राप्त होने के बाद कृषि विभाग, राजस्व विभाग एवं संबंधित बीमा कंपनी द्वारा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस प्रक्रिया के अंतर्गत फसल को हुए नुकसान का सत्यापन एवं आकलन किया जाएगा। सत्यापन के उपरांत पात्र किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रावधानों के अनुसार दावा राशि का भुगतान किया जाएगा।

भारत-न्यूजीलैंड ने मिलकर हासिल की बड़ी उपलब्धि, T20I यह कारनामा करने वाली बनी पहली फुल मेंबर्स टीमें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच में खेली जा रही 5 मैचों की टी20 सीरीज के चौथे मुकाबले में दोनों ही टीमों ने मिलकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेले गए सीरीज के चौथे टी20 मैच में मेजबान न्यूजीलैंड की टीम ने जहां पहले बल्लेबाजी करते हुए 259 रनों का स्कोर बनाया था तो वहीं भारतीय टीम टारगेट का पीछा करते हुए 172 का स्कोर ही बनाने में कामयाब हो सकी, जिसके दम पर न्यूजीलैंड ने मुकाबला 87 रनों के बड़े अंतर से अपने नाम किया। वहीं इस मैच में दोनों ही टीमों ने एक-दूसरे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल में एक साल में 2000 या उससे अधिक रन भी पूरे कर लिए। इसी के साथ टी20 इंटरनेशनल में फुल मेंबर्स टीमों में भारत और न्यूजीलैंड दोनों ही पहली ऐसी टीम बन गई हैं जो एक साल में किसी विरोधी टीम के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल में 2000 या उससे अधिक रन बनाने में कामयाब हो सकी हैं।



साल 2026 में भारत और न्यूजीलैंड का आमना-सामना टी20 इंटरनेशनल फॉर्मेट में अब तक 10 बार हो चुका है जिसमें बल्लेबाजों का पूरी तरह से दबदबा देखने को मिला है। टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले इन 10 टी20 मैचों में से जहां 8 को अपने नाम किया है तो वहीं सिर्फ 2 मुकाबलों में उनको हार का सामना करना पड़ा है। इस दौरान भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ कुल 36.4 के औसत से 2075 रन बनाए हैं। वहीं न्यूजीलैंड को लेकर बात की जाए तो उनका भी ऐसा ही प्रदर्शन बल्लेबाजी में देखने को मिला है, लेकिन वह सिर्फ 2 ही मैच जीतने में कामयाब हो सके हैं। न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल में साल 2026 में कुल 10 मुकाबलों में खेलते हुए 29.58 के औसत से 2012 रन बनाए हैं।

कंबोडिया की टीम पहली बार किया था यह कारनामा

टी20 इंटरनेशनल में एक साल में किसी विरोधी टीम के खिलाफ 2000 या उससे अधिक रन बनाने का कारनामा पहली बार करने का रिकॉर्ड एसोसियेट देश की टीम कंबोडिया के नाम पर है, जिन्होंने साल 2025 में इंडोनेशिया की टीम के खिलाफ कुल 2109 रन बनाए थे। वहीं फुल मेंबर्स टीमों में भारत और न्यूजीलैंड की टीम यह कारनामा करने वाली पहली टीमें हैं।

एक साल में किसी विरोधी टीम के खिलाफ T20I में 2000 या उससे अधिक रन बनाने वाली टीमें

कंबोडिया - 2109 रन बनाम इंडोनेशिया (साल 2025)

भारत - 2075 रन बनाम न्यूजीलैंड (साल 2026)

न्यूजीलैंड - 2012 रन बनाम भारत (साल 2026)

वैभव सूर्यवंशी टीम में जगह पक्की करने के लिए बॉलिंग स्किल्स पर कर रहे हैं काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथे टी20 मैच से पहले ही इस बात की चर्चा होने लगी थी कि 15 साल के युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन से बाहर किया जा सकता है। उनके अंदर टैलेंट की कोई कमी नहीं है, लेकिन टीम में कड़ी टक्कर के चलते उन्हें लगातार मौका नहीं मिल पा रहा है। हालांकि ईशान किशन के चोटिल होने पर उन्हें दूसरे और तीसरे टी20 में खेलने का मौका मिला था। वेलिंग्टन में खेले गए तीसरे मैच में तो उन्होंने अभिषेक शर्मा के साथ मिलकर सिर्फ 6 ओवरों में ही 100 से ज्यादा रन जोड़ दिए थे। इतने धमाकेदार प्रदर्शन के बावजूद उन्हें अगले मैच से ड्रॉप होना पड़ा।

अब वैभव टीम में अपनी परमानेंट जगह बनाने के लिए पक्की करने के लिए एक नई स्किल पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जिसका खुलासा मैच के बाद स्पिन बॉलिंग कोच साईराज बहुतुले ने किया है। भारतीय टीम के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने बताया है कि युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी फिलहाल चुपचाप अपनी गेंदबाजी पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वह हर दिन अपनी इस स्किल को बेहतर बनाने में जुटे हुए हैं और इसे लेकर पूरी तरह गंभीर भी हैं।

साईराज बहुतुले ने मैच के बाद कहा कि मुझे लगता है कि अभी भी कुछ समय और लगेगा। निश्चित रूप से वह अपनी बॉलिंग को लेकर बहुत उत्सुक है। वह बॉलिंग के मामले में अपना रूटीन वर्क करता है। हम उसके लिए ज्यादा से ज्यादा मौके बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन आखिर में हमारे पास कुछ अनुभवी खिलाड़ी भी हैं, जिन्हें उनका हक मिलेगा। लेकिन जब बॉलिंग की बात आती है, तो मुझे लगता है कि वह बहुत उत्सुक है। अगर वह T20 में एक या दो ओवर डाल सकता है तो टीम के लिए काफी अच्छा होगा।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारत की वनडे टीम में हुआ बदलाव, आकिब नबी को मिली जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में एक बार फिर बदलाव किया गया है। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए हैं और अब उनके रिप्लेसमेंट का भी ऐलान कर दिया गया है। बीसीसीआई ने तेज गेंदबाज आकिब नबी को शुरुआती तीन वनडे मैचों के लिए भी टीम में शामिल कर लिया है। पहले आकिब नबी को सिर्फ आखिरी के दो मुकाबलों के लिए ही चुना गया था, लेकिन अब कृष्णा के बाहर के बाद उन्हें पूरी सीरीज के स्क्वॉड में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने 31 अक्टूबर को इस बात की आधिकारिक जानकारी दी। बीसीसीआई की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, मेंस सेलेक्शन कमिटी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के शुरुआती तीन मैचों के लिए भी तेज गेंदबाज आकिब नबी को टीम में शामिल कर लिया है। दाएं हाथ के यह तेज गेंदबाज पहले सिर्फ सीरीज के चौथे और पांचवें वनडे के लिए टीम में चुना गया था, लेकिन अब वह पूरी वनडे सीरीज की शुरुआत से ही भारतीय टीम का हिस्सा बन गए हैं। प्रसिद्ध कृष्णा चोट की वजह से इस वनडे सीरीज में नहीं खेल पाएंगे।

आकिब नबी पहले ही भारत के लिए वनडे फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके हैं। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में खेले गए मैच में मौका मिला था, जहां वे कोई विकेट नहीं ले पाए और काफी महंगे साबित हुए थे। उस मैच में उन्होंने 84 रन लुटाए थे। जम्मू-कश्मीर के रहने वाले आकिब ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है, और इसी दम पर उन्हें एक बार फिर टीम में जगह मिली है। उन्होंने पिछले साल जम्मू की टीम को रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

पहले तीन ODI मैचों के लिए भारत की अपडेटेड टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार, रुतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी (सिर्फ पहले ODI के लिए), आकिब नबी।

टेस्ट क्रिकेट में कगिसो रबाडा का ऐतिहासिक मुकाम सबसे तेज 350 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच में खेली जा रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला केपटाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मुकाबले के पांचवें दिन के खेल में मेजबान अफ्रीकी टीम के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा एक ऐतिहासिक कारनामा अपने नाम दर्ज कराने में कामयाब हो गए। केपटाउन टेस्ट के चौथे दिन का खेल खत्म होने पर साउथ अफ्रीका की टीम अपनी दूसरी पारी में 387 रन बनाकर सिमट गई थी, जिसके साथ ऑस्ट्रेलिया को पांचवें दिन के खेल में अपनी दूसरी पारी में जीत के लिए 288 रनों का टारगेट मिला लेकिन पहले ही सेशन में उनकी शुरुआत काफी खराब रही जिसमें रबाडा ने पहले दो झटके देने के साथ ही जैसे ही



ट्रैविस हेड के रूप में अपना तीसरा विकेट हासिल किया वह टेस्ट में अपने 350 विकेट पूरे करने में कामयाब हो गए, जिसके साथ ही इस तेज गेंदबाज ने अपने ही हमवतन खिलाड़ी डेल स्टेन का एक बड़ा रिकॉर्ड भी तोड़ने में कामयाबी हासिल की।

केपटाउन टेस्ट में कगिसो रबाडा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में अपनी गेंद से कमाल दिखाने में कामयाब नहीं हो सके थे, जिसमें उनके खाते में सिर्फ एक विकेट आया था। वहीं उन्होंने कंगारू टीम की दूसरी पारी में शानदार वापसी करने के साथ पहले तीन विकेट काफी जल्दी पांचवें दिन के खेल में हासिल कर लिए। रबाडा अब टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम गेंदों में 350 विकेट का आंकड़ा पूरा करने वाले तेज गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड साउथ अफ्रीका के ही पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन के नाम पर था, जिन्होंने 14719 गेंदों में यह कारनामा किया था। वहीं कगिसो रबाडा 13808 गेंदों में 350 टेस्ट विकेट पूरा करने में कामयाब हो गए।

व्यापार

SBI के बाद एक और बैंक से ग्राहकों का प्राइवेट डेटा लीक आधार कार्ड से लेकर सिग्नेचर तक जानकारी खतरे में

नई दिल्ली (एजेंसी)। बैंक में जमा पैसा ही नहीं, अब ग्राहकों की निजी जानकारी भी साइबर अपराधियों के निशाने पर है। अक्टूबर में देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर सामने आने के बाद अब AU स्मॉल फाइनेंस बैंक में भी डेटा लीक की आशंका जताई गई है।

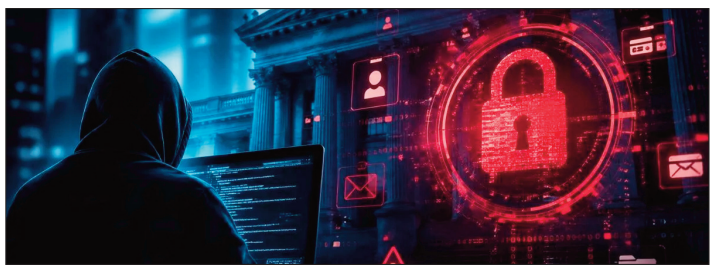
एक हैकर ग्रुप ने बैंक के सिस्टम में सेंध लगाने और ग्राहकों की निजी जानकारी हासिल करने का दावा किया है। बैंक ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, बैंक का कहना है कि उसके अपने सिस्टम सुरक्षित हैं और बैंकिंग सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा है।

AU स्मॉल फाइनेंस बैंक ने क्या कहा?

AU स्मॉल फाइनेंस बैंक ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि वह सेल्सफोर्स पर होस्ट किए गए एक सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म से जुड़े संभावित डेटा लीक की जांच कर रहा है। यह प्लेटफॉर्म वाहन लोन लेने वाले ग्राहकों से संबंधित सीमित जानकारी रखता है। बैंक के मुताबिक, यह प्लेटफॉर्म सेल्सफोर्स द्वारा मैनेज और होस्ट किया जाता है। बैंक ने साफ किया कि उसके अपने बैंकिंग सिस्टम इस घटना से प्रभावित नहीं हुए हैं। ग्राहकों के लिए बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से जारी हैं।

हैकर ग्रुप ने क्या दावा किया?

रिपोर्ट के मुताबिक, स्कार्लेटग्रुप



नाम के हैकर ग्रुप ने AU स्मॉल फाइनेंस बैंक के सिस्टम में सेंध लगाने की जिम्मेदारी लेने का दावा किया है। ग्रुप का कहना है कि उसके पास ग्राहकों और बैंक के आंतरिक कामकाज से जुड़ा डेटा मौजूद है। इसमें KYC रिकॉर्ड, पहचान से जुड़े दस्तावेज, PAN और आधार की जानकारी, क्रेडिट रिपोर्ट, बैंक स्टेटमेंट, लोन आवेदन, हस्ताक्षर किए गए समझौते और बीमा रिकॉर्ड शामिल होने का दावा किया गया है। इसके अलावा CRM डेटा, कर्मचारियों की जानकारी, लॉगिन हिस्ट्री और ऑडिट लॉग भी हासिल करने की बात कही गई है। हालांकि, इन सभी जानकारियों के लीक होने की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। बैंक फिलहाल संभावित डेटा लीक की जांच कर रहा है।

SBI के 3,897 ग्राहकों का डेटा भी हुआ था उजागर

यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब अक्टूबर में SBI के 3,897 ग्राहकों की निजी जानकारी डार्क वेब पर उजागर होने की खबर आई थी। इसमें मोबाइल नंबर, जन्मतिथि, ईमेल आईडी और घर के पते जैसी व्यक्तिगत जानकारियां शामिल थीं। SBI ने 21 अक्टूबर को साइबर सुरक्षा से जुड़ी इस घटना की पुष्टि की थी। बैंक को अपने थ्रेट इंटेलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर, डिफेंस साइबर एजेंसी और CERT-In से इस संबंध में अलर्ट मिले थे।

आज से चलेगी दिल्ली और वाराणसी के बीच 16 AC कोच से लैस वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली से पहले उत्तर प्रदेश के यात्रियों को रेलवे की ओर से खास तोहफा मिलने जा रहा है। दिल्ली और वाराणसी के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन उद्घाटन आज (31 अक्टूबर) होगा। इससे यात्रियों को रात में आरामदायक सफर करने की सुविधा मिलेगी। एकता दिवस के मौके पर यूपी को ये एक बड़ी सौगात मिलेगी।

सीएम योगी और रेल मंत्री हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे

आज से वंदे भारत स्लीपर ट्रेन वाराणसी से दिल्ली के बीच दौड़ेगी। सीएम योगी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसी बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्विट कर कहा, "दिल्ली और काशी के बीच रेल यात्रा करने वालों के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। काशी-दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू होने से समय की बचत के साथ ही उनका अनुभव बेहतर होने वाला है। आधुनिक सुविधाओं और अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली से सुसज्जित यह देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन है।"

16 एसी कोच वाली होगी ट्रेन

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन भारत की अब तक की सबसे एडवांस ट्रेन है, इस ट्रेन में कुल 16 एसी कोच होंगे। ट्रेन की अधिकतम स्पीड 180 किमी/घंटा है और यह आधुनिक कवच सुरक्षा प्रणाली से लैस है। इसके अलावा इसमें ऑटोमैटिक दरवाजे, बायो-वैक्लूम टॉयलेट और सीसीटीवी कैमरे जैसी सुविधाएं हैं।

नवंबर में बैंक जाने से पहले चेक कर लें छुट्टियों की लिस्ट, पूरे महीने कई दिन बंद रहेंगे बैंक



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली, छठ और गुरु नानक जयंती जैसे बड़े त्योहारों से सजे नवंबर 2026 के महीने में यदि आपका बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम है, तो घर से निकलने से पहले छुट्टियों की पूरी लिस्ट जरूर देख लें। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा जारी बैंक अवकाश कैलेंडर के अनुसार, नवंबर के महीने में त्योहारी सीजन और साप्ताहिक अवकाशों को मिलाकर बैंक कई दिन बंद रहने वाले हैं। ऐसे में आपकी एक छोटी सी सावधानी आपको बैंक के बंद दरवाजे से लौटने की परेशानी से बचा सकती है।

नवंबर के इस पूरे महीने में देश के अलग-अलग राज्यों में स्थानीय पर्वों और राष्ट्रीय त्योहारों के कारण बैंक अवकाश रहेंगे। इस महीने में नियमित साप्ताहिक छुट्टियों के तहत कुल 5 रविवार (1, 8, 15, 22 और 29 नवंबर) और महीने का दूसरा व तीसरा शनिवार (14 और 28 नवंबर) शामिल हैं, जिन पर पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा दीवाली, गोवर्धन पूजा, भाईदूज, छठ पूजा, वांगला फेस्टिवल और गुरु नानक जयंती जैसे पर्वों पर विभिन्न राज्यों में बैंक शाखाएं बंद रहेंगी।

बैंक की शाखाएं बंद होने पर भी ग्राहकों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप घर बैठे ऑनलाइन बैंकिंग, UPI और मोबाइल बैंकिंग के जरिए पैसों का लेनदेन कर सकते हैं। इसके अलावा ATM से भी पैसे निकाल सकते हैं। इसलिए बैंक जाने से जुड़े जरूरी काम पहले ही निपटा लें, ताकि छुट्टियों के दौरान आपको किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस का बड़ा ऐलान

सऊदी अरब की सारी उड़ानें 14 नवंबर तक रद्द कीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सऊदी अरब में मौजूदा तनावपूर्ण हालात को देखते हुए जेद्दा, रियाद और दम्माम के लिए अपनी उड़ानें 14 नवंबर 2026 तक निलंबित कर दी हैं। इस फैसले से यात्रियों की यात्रा योजनाओं पर असर पड़ सकता है। हालांकि, एयरलाइंस ने प्रभावित यात्रियों को राहत देते हुए टिकट रीबुक करने या पूरा रिफंड लेने का ऑप्शन दिया है।

दोनों एयरलाइंस ने सऊदी अरब के इन तीन शहरों से आने-जाने वाली उड़ानों को अस्थायी रूप से रोकने का फैसला किया है। कंपनियों के मुताबिक, यह कदम क्षेत्र में जारी हालात को देखते हुए उठाया गया है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जरूर जांच लें।

यात्रियों को मिलेगा रीबुकिंग और रिफंड का ऑप्शन

एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने पहले से टिकट बुक करा चुके यात्रियों के लिए एक बार मुफ्त में यात्रा की तारीख बदलने या टिकट रद्द करने पर पूरा रिफंड लेने की सुविधा दी है। यह सुविधा उन यात्रियों को मिलेगी,



जिनके टिकट 30 अक्टूबर 2026 या उससे पहले जारी हुए हैं और जिनकी यात्रा 14 नवंबर तक निर्धारित थी। ऐसे यात्री सीटों की उपलब्धता के आधार पर 29 नवंबर 2026 तक की यात्रा के लिए अपनी बुकिंग बदल सकते हैं। एयर इंडिया के यात्री सऊदी अरब में एयर इंडिया के किसी भी चालू स्टेशन से आने-जाने के लिए रीबुकिंग करा सकते हैं। वहीं, एयर इंडिया एक्सप्रेस के यात्री सऊदी अरब या बहरीन में उसके किसी भी चालू स्टेशन के लिए यह सुविधा ले सकते हैं।

ऐसे मिलेगी यात्रियों को मदद

प्रभावित यात्री दोनों एयरलाइंस की कस्टमर सर्विस टीम या शहरों में मौजूद टिकट बुकिंग कार्यालयों से संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा, एयरलाइंस की आधिकारिक वेबसाइट पर दिए गए कॉल सेंटर नंबरों के जरिए भी रीबुकिंग और रिफंड की जानकारी ली जा सकती है।

सऊदी अरब में हमलों के बीच लिया गया फैसला

सऊदी अरब में हाल के दिनों में हवाई अड्डों और अन्य नागरिक ठिकानों पर हमलों की खबरें सामने आई हैं। रियाद और दम्माम के एयरपोर्ट भी निशाने पर रहे हैं।

दम्माम एयरपोर्ट पर हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हुई, जबकि दो अन्य घायल हुए। इसके अलावा, शायबाह तेल क्षेत्र पर हमले में भी एक भारतीय नागरिक घायल हुआ।

सरदार पटेल ने रियासतों को एकजुट कर बनाया अखंड भारत : विजय शर्मा

लौह पुरुष सरदार पटेल की मनाई गई 151वीं जयंती, ग्राम भगतपुर में राष्ट्र की एकता और अखंडता का दिया संदेश



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। देश की एकता और अखंडता के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर पंडरिया विकासखंड के ग्राम भगतपुर में जिला कुर्मी क्षत्रिय समाज द्वारा भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री संतोष पाण्डेय, पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने देश की एकता, अखंडता और अखंड भारत के निर्माण में लौह पुरुष सरदार पटेल के ऐतिहासिक योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सामाजिक भवन निर्माण के लिए 25 लाख तथा सीसी रोड एवं डोम निर्माण के लिए 20 लाख रुपए देने की घोषणा की। वहीं विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने अटल चौक के पास पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा स्थापना एवं सौंदर्यीकरण के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। इस तरह कुल 55 लाख रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी गई। कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, पूर्व संसदीय सचिव मोतीराम चंद्रवंशी, छत्तीसगढ़ कुर्मी क्षत्रिय समाज के दुर्ग संभाग के मंत्री आदरणीय नंदलाल चंद्रकार, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, नगरपालिका के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत की सदस्य श्रीमती अन्नपूर्णा चंद्रकार, लाल जी चंद्रवंशी, प्रसाद, दिनेश चंद्रवंशी, भुवनेश्वर चंद्रकार सहित अन्य जनप्रतिनिधि और समाज के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सरदार पटेल ने रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर बनाया अखंड भारत

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने स्वतंत्रता के समय देश के सामने मौजूद सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक चुनौती को स्वीकार किया और साढ़े 500 से अधिक रियासतों को एकजुट कर गौरवशाली एवं वैभवशाली भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई।

हैदराबाद के निजाम सहित अनेक जटिल परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और कुशल नेतृत्व से रियासतों का भारत में विलय कराया। गुजरात में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्थापित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी आज भी सरदार पटेल के व्यक्तित्व और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान की प्रेरणा देता है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने छत्रपति शिवाजी महाराज का उल्लेख करते हुए कहा कि इतिहास में जब मुगल शासकों द्वारा देश में हिंदू राजाओं को समाप्त करने और विभिन्न क्षेत्रों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे थे, तब छत्रपति शिवाजी महाराज ने उनके सामने दृढ़ता से खड़े होकर संघर्ष किया और देश की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने समाज की एकजुटता और कृषि परंपरा पर जोर देते हुए कहा कि जब समाज की गंगा एक साथ जुड़ती है, तो उससे सकारात्मक और रचनात्मक परिणाम सामने आते हैं।

उन्होंने कहा कि कुर्मी समाज कृषि प्रधान समाज रहा है। समाज के लोगों को आधुनिकता और विविधता के साथ खेती की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। कम जमीन में भी अलग-अलग प्रकार की फसलों और कृषि उत्पादों के माध्यम से बेहतर उत्पादन एवं आमदनी प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने समाज के युवाओं और चिंतकों से समाज की उन्नति, संस्कृति और परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया।

सामाजिक एकता ही विकास की सबसे बड़ी ताकत- सांसद संतोष पाण्डेय

सांसद श्री संतोष पाण्डेय ने सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि सरदार पटेल स्वतंत्र भारत के ऐसे महान नेतृत्वकर्ता थे, जिन्होंने देश की एकता और अखंडता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज का भी उल्लेख करते हुए कहा कि देश के इतिहास में ऐसे महान व्यक्तित्वों का योगदान हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने समाज की एकजुटता, गौरव और सामाजिक नेतृत्व के महत्व पर अपने विचार रखे।

समाज की एकजुटता से आने वाली पीढ़ी को मिलेगी नई दिशा- विधायक भावना बोहरा

विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल देश की एकता और सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं। उन्होंने सैकड़ों रियासतों को एकजुट कर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि समाज की एकजुटता से विकास को नई दिशा मिलती है। सामाजिक आयोजनों से युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और रीति-नीति को समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने समाज के सभी लोगों से एकजुट होकर आने वाली पीढ़ी के बेहतर भविष्य और समाज की उन्नति के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

चंगोराभाठा में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न, सैकड़ों लोगों ने उठाया लाभ

रायपुर ■ दैनन्दिनी

आशा देवी रेखचंद लूनिया चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आज शांति निकेतन पब्लिक स्कूल एवं कॉलेज, चंगोराभाठा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस शिविर में सामान्य स्वास्थ्य जांच, नेत्र जांच, दंत जांच एवं आयुर्वेदिक परामर्श / नाड़ी परीक्षण की सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की गईं। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. प्रिया गुप्ता जी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में:- मुख्य अतिथिः चंगोराभाठा वार्ड क्रमांक 67 की पार्षद श्रीमती ममता सोनू तिवारी जी

- विशिष्ट अतिथिः डॉ. प्रीति उपाध्याय जी - विशेष शिक्षिका, शिक्षाविद्, दिव्यांगता अधिकारों की समर्थक

शिविर में मेडिकल सहयोग: आई एल एस हॉस्पिटल जनरल चेकअप , नमन हॉस्पिटल द्वारा दांत चिकित्सा, श्री गणेश हॉस्पिटल द्वारा नेत्र चिकित्सा एवं कान्हा आयुकेयर की डॉ. रिचा साहू द्वारा नाड़ी प्रशिक्षण , आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा लोगों को परामर्श दिया गया।

शिविर में सभी बच्चे, बड़ो की स्वास्थ्य समस्या का समाधान दिया गया एवम बच्चों को मोबाइल से दूरी बनाने, एवम हेल्थी फूड खाने की सलाह दी गई जिनसे उनकी आंखे और शरीर दोनों दोनों स्वस्थ्य रहें। सफल स्वस्थ्य शिविर आयोजन पर सभी डॉक्टर को आशा देवी रेखचंद लूनिया चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मोमेंटो एवम सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम का सफल संचालन:

- कार्यक्रम प्रभारी - श्री पीयूष जैन,- विशिष्ट सहयोगी - डॉ.प्रिया गुप्ता, डायरेक्टर, बिट बाइट इन्फोटेक कंप्यूटर इंस्टीट्यूट, रायपुर,- सुश्री शगुफ्ता अफरोज, डायरेक्टर, अजीम एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी, रायपुर,- सार्थक जैन- फाउन्डर एसएस cration।

पोल्ट्री फार्म में खड़े दो ट्रैक्टरों पर चोरों ने किया हाथ साफ, 16 हजार की बैटरियां पार

महासमुंद। कौंसरा में पोल्ट्री फार्म में खड़े दो ट्रैक्टरों से अज्ञात चोरों ने बैटरियां पार कर दीं। चोरी गई दोनों बैटरियों की कीमत करीब 16 हजार रुपए बताई गई है। घटना का पता 22 अक्टूबर की सुबह चला। शिकायत पर तेंदूकोना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक कौंसरा निवासी मोतीराम साहू ने खेती के काम के लिए महिंद्रा ट्रैक्टर क्रमांक सीजी 06 ई 3516 खरीदा है। वहीं उसके भतीजे नारायण साहू के पास सोनालिका ट्रैक्टर क्रमांक सीजी 06 एचए 9307 है। खेती का काम पूरा होने के बाद दोनों ट्रैक्टरों को नारायण साहू के पोल्ट्री फार्म में खड़ा किया जाता था।

मोतीराम साहू ने बताया कि 22 अक्टूबर की सुबह करीब 6 बजे जब वह पोल्ट्री फार्म पहुंचा तो दोनों ट्रैक्टरों की बैटरियां गायब मिलीं। आसपास तलाश करने के बाद भी बैटरियों का कोई पता नहीं चला। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। रिपोर्ट के आधार पर तेंदूकोना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 305(ए), 331(4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव की पहल पर मुंगेली जिले में बनेंगी सड़कें, सात सड़कों के लिए 20.3 करोड़ मंजूर



मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। लोक निर्माण विभाग ने मुंगेली जिले में सात सड़कों के निर्माण के लिए 20 करोड़ 30 लाख रुपए मंजूर किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने इन सड़कों के लिए मंत्रालय से प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी है। उप मुख्यमंत्री श्री साव की पहल पर बन रहे इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र में सड़क अधोसंरचना को मजबूती मिलने के साथ ही आवागमन सुगम, सुरक्षित और तेज होगा।

लोक निर्माण विभाग द्वारा मुंगेली जिला मुख्य मार्ग नवरंगपुर से डी-3 हेडपुल तक 1.10 किमी सड़क के निर्माण के लिए एक करोड़ 21 लाख 94 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं। विभाग द्वारा रेहुंटा से लाखासार तक 2.40 किमी सड़क के लिए तीन करोड़ सात लाख 23 हजार रुपए, डिंडौरी गौठान से सूरजपुरा सरहद तक एक किमी सड़क के लिए दो करोड़ 31 लाख 32 हजार रुपए, मुंगेली जिला मुख्य मार्ग से सुकली बस्ती मार्ग तक 0.75 किमी सड़क के लिए एक करोड़ 34 लाख 42 हजार रुपए मंजूर किए गए हैं।

विभाग ने लोरमी विकासखंड में रोहित पटेल के घर से खुड़िया मेन रोड तक 2.30 किमी मार्ग के लिए तीन करोड़ 83 लाख 19 हजार रुपए, धोबघट्टी केनाल मार्ग में पुल-पुलिया सहित 3.40 किमी सड़क के निर्माण के लिए चार करोड़ 60 लाख 40 हजार रुपए तथा साजा नहर सारिसताल राममंदिर भदरवार पुल तक 3 किमी मार्ग के लिए तीन करोड़ 91 लाख 53 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता को सभी कार्यों में निर्माण और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए समय-सीमा में काम पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

बाघिन ने किया 2 हिरणों का शिकार, क्षेत्र में अलर्ट



लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। खुड़िया रेंज के कारीडोंगरी में एक बाघिन ने दो हिरणों का शिकार किया है। इसकी सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने पूरे क्षेत्र में अलर्ट कराने के साथ खोजबीन शुरु कर दी है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की शाम लोरमी क्षेत्र के खुड़िया वन परिक्षेत्र में कारीडोंगरी के पास पेट्रोलिंग करने वाले स्टाफ एक बाघिन का पग मार्क देखा। इसकी सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को दी गई। वहीं शाम को कारीडोंगरी से लगे कक्ष क्रमांक 494/95 के क्षेत्र में दो हिरण को मृत अवस्था में देखा गया, जिसके कारण बाघिन के हिरणों का शिकार करने की आशंका जताई गई। पग मार्क और शिकार हुए हिरणों की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग के अफसरों ने स्टाफ को तत्काल निगरानी करने का आदेश जारी कर दिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए लोरमी के उप वनमंडलाधिकारी दशहंस सूर्यवंशी ने बताया कि कक्ष क्रमांक 494/95 में हिरणों का शिकार होने के साथ बाघिन के पग मार्क भी मिले हैं। स्टाफ ने देर रात और सुबह से दोपहर तक बाघिन की तलाश की, लेकिन बाघिन संभवतः अचानकमार टाइगर रिजर्व के जंगल में जाने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

फिलहाल बाघिन की सूचना और पग मार्क मिलने के कारण पूरे एरिया में अलर्ट जारी किया गया है। ग्रामीणों को अकेले जंगल की ओर नहीं जाने की सलाह भी दी जा रही है, ताकि किसी तरह की दुर्घटना न हो सके। वहीं बाघिन के पग मार्क या किसी तरह के अंदेशा होने पर तत्काल विभागीय स्टाफ एवं अधिकारियों को भी सूचित करें।

कमार जनजाति के पारंपरिक जीवन, संस्कृति और आजीविका को मिलेगी कानूनी सुरक्षा

कलेक्टर रणबीर शर्मा की अध्यक्षता में पर्यावास अधिकारों की मान्यता हेतु जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक संपन्न



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले की विशेष पिछड़ी जनजाति कमार समुदाय के पारंपरिक जीवन, संस्कृति, आजीविका और प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े अधिकारों को कानूनी मान्यता दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। जिले के कमार जनजाति के पात्र सदस्यों एवं समुदाय को वन अधिकार अधिनियम के तहत पर्यावास अधिकार प्रदान किए जाएंगे। इसके लिए जिला प्रशासन ने प्रक्रिया को गति देने की तैयारी शुरू कर दी है। पर्यावास अधिकारों की मान्यता मिलने से कमार समुदाय के पारंपरिक निवास क्षेत्र, जंगलों, आजीविका के साधनों, सांस्कृतिक परंपराओं और सामुदायिक विरासत को कानूनी संरक्षण मिल सकेगा। इस संबंध में शुक्रवार को कलेक्टर एवं जिला स्तरीय वन अधिकार समिति के अध्यक्ष रणबीर शर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 तथा नियम, 2007 (यथा संशोधित नियम, 2012) के प्रावधानों के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों को पर्यावास अधिकार प्रदान करने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों, सामुदायिक सहभागिता और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में

कलेक्टर श्री शर्मा ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा शासन की मंशा के अनुरूप पात्र विशेष पिछड़ी जनजातियों को पर्यावास अधिकारों का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में कमार समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा ग्राम स्तर पर आवश्यक संवाद और जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएं, ताकि अधिकारों की मान्यता की प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हो सके। बैठक में उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के वनमंडलाधिकारी वरुण जैन, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास लोकेश्वर पटेल, अनुविभागीय अधिकारी (वन) वनमंडल देवभोग आर.के. सोरी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गरियाबंद सुश्री नम्रता शर्मा, कमार विकास अभिकरण के अध्यक्ष मंगतू कमार, कमार जनजाति के समाज प्रमुख सुकचंद कमार एवं नवराम कमार सहित कमार समाज के अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इसके अलावा श्री देशराम कमार एवं भुवनेश्वर नेताम, समुदाय विशेषज्ञ, खोज एवं जनजागृति एनजीओ मैनपुर के अध्यक्ष बेनिपुरी गोस्वामी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी बैठक में शामिल हुए। वर्चुअल माध्यम से आदिम जाति विकास विभाग, नया रायपुर (अटल नगर) के परियोजना अधिकारी राज्य वन अधिकार राजेश कुमार ने भी सहभागिता की तथा पर्यावास अधिकारों की मान्यता की प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया।

पर्यावास अधिकार केवल किसी व्यक्ति या एक गांव तक सीमित अधिकार नहीं है, बल्कि यह पूरे समुदाय के पारंपरिक भौगोलिक क्षेत्र, प्राकृतिक संसाधनों, सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराओं और आजीविका व्यवस्था से जुड़ा होता है। इसके अंतर्गत समुदाय के पारंपरिक निवास स्थलों, जंगलों पर निर्भरता, लघु वनोपज संग्रहण, पारंपरिक आजीविका के साधनों, सांस्कृतिक एवं धार्मिक स्थलों तथा जैव विविधता से जुड़े पारंपरिक ज्ञान को मान्यता और संरक्षण देने का प्रावधान है। गरियाबंद जिले में कमार जनजाति के लिए पर्यावास अधिकारों की मान्यता इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि इससे समुदाय की पारंपरिक जीवनशैली और पीढ़ियों से चली आ रही सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को संस्थागत आधार मिलेगा। साथ ही प्राकृतिक संसाधनों के पारंपरिक उपयोग एवं संरक्षण में समुदाय की भूमिका को भी मान्यता मिलेगी।

पर्यावास अधिकारों की मान्यता से कमार समुदाय के समग्र विकास की दिशा में भी नई संभावनाएं खुलेंगी। समुदाय की पारंपरिक जरूरतों, भौगोलिक परिस्थितियों और आजीविका के स्वरूप को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों की बेहतर योजना बनाई जा सकेगी। इससे पात्र परिवारों तक शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, आवास, सड़क, बिजली, आजीविका संवर्धन और अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा समुदाय के पारंपरिक ज्ञान, रीति-रिवाजों, सामाजिक पहचान और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

बंद एलआईसी पॉलिसी की रकम लौटाने का झांसा देकर 69.37 लाख की ठगी, दिल्ली से आरोपी गिरफ्तार



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। बंद पड़ी एलआईसी पॉलिसी की राशि वापस दिलाने का झांसा देकर 69 लाख 37 हजार 518 रुपये की ऑनलाइन ठगी करने वाले आरोपी को कबीरधाम साइबर पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी स्वयं को राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग (एनसीडीआरसी) एवं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का अधिकारी बताकर पीड़ित का विश्वास जीतता था। इसके बाद पॉलिसी की रकम वापस दिलाने, विभिन्न संस्थाओं से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने और न्यायालयीन प्रक्रिया पूरी कराने के नाम पर अलग-अलग किस्तों में रकम जमा कराता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी एक लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में कार्यरत है और अपने सहयोगी के साथ मिलकर साइबर ठगी की वारदात को अंजाम देता था।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित ने 7 अक्टूबर 2026 को साइबर पुलिस थाना कबीरधाम में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि अज्ञात व्यक्तियों ने उसकी बंद पड़ी एलआईसी पॉलिसी में जमा राशि वापस दिलाने का झांसा दिया। आरोपियों ने स्वयं को एनसीडीआरसी एवं आरबीआई का अधिकारी बताकर अलग-अलग औपचारिकताओं के नाम पर पैसे जमा कराए। नवंबर 2025 से अक्टूबर 2026 के बीच आरोपियों ने पीड़ित से कुल 69,37,518 रुपये की ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की। शिकायत के आधार पर साइबर पुलिस ने अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू की।

मामले की गंभीरता और ठगी की बड़ी रकम को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अखिलेश कुमार कौशिक और उप पुलिस अधीक्षक प्रशांत देवांगन के दिशा-निर्देशन में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। निरीक्षक उमाशंकर राठौर के नेतृत्व में टीम ने बैंक खातों के लेन-देन, बैंकिंग साक्ष्यों और आधुनिक साइबर तकनीक के माध्यम से जांच की। तकनीकी विश्लेषण के दौरान मोहम्मद जैद खान, निवासी जामिया नगर, दिल्ली की संलिप्तता सामने आई।

आरोपी की लोकेशन दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में मिलने के बाद साइबर पुलिस की टीम दिल्ली रवाना हुई। स्थानीय पुलिस की सहायता से घनी आबादी वाले क्षेत्र में आरोपी की तलाश के लिए लगातार पांच दिनों तक प्रयास किए गए। तकनीकी इनपुट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने अंततः मोहम्मद जैद खान को हिरासत में लेकर विधिवत गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद जैद खान (37), पिता जियाउद्दीन खान, निवासी जामिया नगर, दिल्ली, एक लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में कार्यरत है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अपने पूर्व परिचित एवं बीमा कंपनी में कार्यरत एक अन्य सहयोगी के साथ मिलकर बंद पड़ी बीमा पॉलिसियों की राशि वापस दिलाने और पॉलिसी दोबारा चालू कराने के नाम पर लोगों से संपर्क करता था।



छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस

राज्योत्सव 2026

सशक्त नारी, युवा उड़ान



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

शुभारंभ समारोह

01 नवंबर 2026

राज्योत्सव मैदान
नवा रायपुर अटल नगर
(छत्तीसगढ़)

मुख्य अतिथि

डॉ. मनसुख मांडविया
माननीय केंद्रीय श्रम एवं रोजगार,
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, भारत सरकार

अध्यक्षता

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

विशिष्ट अतिथि

डॉ. रमन सिंह
माननीय अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा

श्री तोखन साहू
माननीय केंद्रीय राज्यमंत्री, भारत सरकार

श्री अरुण साव
माननीय उप मुख्यमंत्री,छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा
माननीय उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

एवं

समस्त माननीय मंत्री, सांसद, विधायक, निगम, मंडल, आयोग, जिला पंचायत के माननीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण
माननीय महापौर की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित है।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की
सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

पीएम आवास योजना
24.54 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को पक्की छत

कृषक कल्याणकारी योजनाओं से
₹1.5 लाख करोड़ से अधिक की राशि किसानों को अंतरित

डेस्टिनेशन छत्तीसगढ़
छत्तीसगढ़ में पर्यटन को उद्योग का दर्जा **ट्राइबल हेरिटेज** व **ईको टूरिज्म** को बढ़ावा

सड़कों का विकास
₹40 हजार करोड़ से अधिक की लागत से राजमार्गों का विकास



महतारी वंदन योजना
68 लाख महिलाओं को **₹20,708 करोड़** से अधिक की राशि अंतरित

इन्वेस्ट छत्तीसगढ़
₹8.60 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त

रेलवे का विस्तार
₹54,000 करोड़ की रेल परियोजनाओं का क्रियान्वयन

जनजातीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन
बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक, बस्तर पण्डुम का निरंतर आयोजन

सेवा सेतु जनता के द्वार, डिजिटल सरकार
38 विभागों की **953 सेवाएं** एक ही प्लेटफॉर्म पर

हमसे जुड़ने के लिए **QR स्कैन करें**

सीएम हेल्पलाइन 1076
हर शिकायत की सुनवाई
हर समस्या का समाधान

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

संवाद आर.ओ. नं.- 49660/161

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com